पौष कृष्ण पक्ष अमावस्या संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 166 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
19 दिसंबर 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
27.0 अधिकतम
6.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

युवा नेता हादी की हत्या के बाद बिगड़े हालात, बायकॉट इंडिया के नारे

बांग्लादेश में भड़की हिंसा की आग, दो न्यूज चैनल सहित आवामी लीग के ऑफिस फूंके

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद पड़ोसी बांग्लादेश हिंसा की आग में झुलस रहा है। ढाका समेत देश के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शनों और आगजनी की खबरें सामने आई हैं। सड़कों पर उतरी युवाओं की भीड़ ने बांग्लादेश के दो प्रमुख अखबारों के कार्यालयों को आग लगा दी। इनमें काम करने वाले 30 पत्रकारों को भी जलाने की कोशिश हुई जिन्हें बमुश्किल बचाया गया। बांग्लादेश में फरवरी 2026 में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से ठीक पहले फैली अशांति से हालात और बिगड़ने की आशंका बढ़ गई है। उस्मान हादी की मौत की खबर फैलते ही प्रदर्शनकारियों ने उनका नाम लेकर भड़काऊ नारे लगाए। हिंसा-आगजनी के बाद से ही कई इलाकों में तनाव बना हुआ है। हिंसा को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया।

भारतीय सहायक उच्चायोग पर भी हमलाः बांग्लादेश मीडिया आउटलेट बीडी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक चटगांव में प्रदर्शनकारियों ने भारतीय सहायक उच्चायोग पर हमला किया और अवामी लीग के पूर्व शिक्षा मंत्री के घर में आग लगा दी। चटगांव में भारतीय सहायक उच्चायोग के बाहर पत्थर फेंके और धरना प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के संस्थापक राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान के ढाका स्थित घर धानमंडी-32 में गुरुवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात आग लगा दी गई।

भारत के खिलाफ नारेः भारत के सहायक उच्चायुक्त कार्यालय को कट्टरपंथियों ने घेरने का आह्वान किया है। वहीं शाहबाग इलाके में बायकॉट इंडिया के नारे लगाए जा रहे हैं।

30 पत्रकारों को जिंदा जलाने की कोशिश

हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के अनुसार, हिंदू शख्स को मैमनसिंह जिले में भीड़ ने पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। पीड़ित की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में हुई है, जो एक युवा गारमेंट फैक्ट्री मजदूर था। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने उस पर पैगंबर मोहम्मद के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया था।

हसीना का भारत में होना भी एक बड़ी चुनौती

विदेश मामलों पर संसद की समिति ने अपनी रिपोर्ट में बांग्लादेश को लेकर भारत की चिंता जाहिर की है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अगुवाई वाली समिति की रिपोर्ट से निकली बातों के विश्लेषण से पता चलता है कि बांग्लादेश में जारी हिंसा की वजह से भारत के सामने गंभीर संकट खड़े हुए हैं, जिनसे निपटना बड़ी चुनौती है। सत्ता से बेदखल होने के बाद से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की नेता शेख हसीना भारत में हैं। भारत की दिक्कत ये है कि जिस तरह से बांग्लादेश में हसीना को मौत की सजा सुनाई गई है, वहां की मौजूदा सरकार को भारत के खिलाफ माहौल बनाने में मदद मिल रही है। वह हसीना पर आरोप लगा रही है कि वही बांग्लादेश में हालात बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार हैं। जबकि, भारत साफ कर चुका है कि यहां पर उन्हें किसी भी राजनीतिक गतिविधि को अंजाम देने की सुविधा नहीं दी गई है।

भारतीयों के लिए एडवाइजरीः बांग्लादेश में रहने वाले भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इसमें भारतीय समुदाय के सदस्यों और भारतीय छात्रों से स्थानीय यात्रा से बचने और अपने और बाहर कम से कम निकलने की अपील की गई है। इसके साथ ही आपातस्थिति में बांग्लादेश उच्चायोग और सहायक उच्चायोग से संपर्क करने को कहा गया है।

वसीयत पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

बेटी ने मर्जी से की थी शादी पिता की संपत्ति में हिस्सा नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक पिता की वसीयत को बरकरार रखते हुए बेटी को संपत्ति से बेदखल कर दिया है। पिता एन एस श्रीधरन ने अपनी नौ संतानों में से एक बेटी शाइला जोसेफ को अपनी वसीयत में जायदात से इसलिए बेदखल कर दिया था क्योंकि उसने अपनी बिरादरी के बाहर शादी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट और ट्रायल कोर्ट के उन फैसलों को पलट दिया है, जिसमें वसीहत पर संदेह जताते हुए संपत्ति को नौ बच्चों में बराबर बांटने का आदेश जारी किया गया था। जस्टिस अहसनुद्दीन अमानुल्लाह और के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि वसीयत को चुनौती नहीं दी जा सकती क्योंकि वह स्पष्ट रूप से साबित हो चुकी है। बेंच ने कहा, वसीयत में कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता,हाई कोर्ट और ट्रायल कोर्ट के फैसले और डिक्री को रद्द किया जाता है। वादी (शाइला) को अपने पिता की संपत्ति पर कोई दावा नहीं मिलता, जिसे वसीयत द्वारा अन्य भाई-बहनों को दे दिया गया है। शाइला के वकील पी बी कृष्णन ने बेंच से कहा कि उनकी मुवक्किल का हक सिर्फ 1/9वां हिस्सा ही बनता है, जो संपत्ति का बहुत छोटा हिस्सा है। लेकिन बेंच ने साफ कर दिया कि ऐसे मामलों में समानता का सवाल नहीं उठता। यह पिता की इच्छा पर निर्भर करता है कि वह अपनी संपत्ति कैसे बांटना चाहता है। बेंच ने कहा, हम समानता पर बात नहीं कर रहे हैं और वसीयत करने वाले की इच्छा सर्वोपरि है। वसीयत करने वाले की अंतिम इच्छा और वसीयत से कोई विचलन या उसे विफल नहीं किया जा सकता।

बराबर बंटवारे का मुकदमा हुआ खारिज

भाई-बहनों की अपील को स्वीकार करते हुए, बेंच ने शाइला द्वारा दायर संपत्ति के बराबर बंटवारे के मुकदमे को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वसीयत के मामलों में समझदारी का नियम लागू नहीं होता। वसीयत व्यक्ति की अपनी इच्छा होती है और उसे अपनी संपत्ति बांटने का पूरा अधिकार होता है। अगर वसीयत के जरिए सभी भाई-बहनों को उनकी विरासत से वंचित किया गया होता, तब अदालतें समझदारी का नियम लागू कर सकती थीं।

न्यूज विडो

ठाणे में रिसेप्शन के दौरान लगी आग, बड़ा हादसा टला

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाण में गुरुवार रात घोड़बंदर रोड इलाके में स्थित ब्लू रूफ क्लब में आतिशबाजी के कारण भीषण आग लग गई। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ठाणे नगर निगम के आपदा विभाग अधिकारी यस्तीन ताडवी ने बताया कि हम आग लगने का कारण स्पष्ट रूप से नहीं बता सकते, लेकिन आग भीषण थी। आपदा प्रबंधन टीम को सूचना मिलते ही दमकल कर्मियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है।

भगवान राम को मुस्लिम बताने पर टीएमसी निशाने पर

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी के विधायक व पूर्व मंत्री मदन मित्रा का इंटरनेट मीडिया पर एक क्लिप प्रसारित हुआ है, जिसमें वे दावा कर रहे हैं कि भगवान राम मुस्लिम थे। उनके इस बयान पर भाजपा भड़क उठी है। बंगाल भाजपा ने अपने एक्स हैंडल पर गुरुवार को उत्तर 24 परगना जिले के कमरहट्टी से विधायक मदन मित्रा के भाषण का वीडियो साझा करते हुए इसे हिंदू भावनाओं का अपमान बताया है। भाजपा ने टीएससी को मित्रा के खिलाफ कार्रवाई करने की चुनौती दी।

दिल्ली में प्रदूषण एक पुरानी समस्याः आशीष सूद

नई दिल्ली। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विपक्ष के आरोपों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि दिल्ली का प्रदूषण कोई मौसमी समस्या नहीं है और न ही यह पिछले 10 महीनों में शुरू हुई है। यह पुरानी समस्या है और इसका बड़ा हिस्सा आसपास के राज्यों से आता है। मौसम पर दिल्ली सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। कुछ बेरोजगार नेता सरकार पर हमला कर रहे हैं।

आज का कार्टून

छग राज्य उपभोक्ता आयोग का फैसला

हादसे में नहीं खुले एयरबैग, टोयोटा पर लगा 61 लाख रुपए का जुर्माना

रायपुर, एजेंसी

राज्य उपभोक्ता आयोग ने टोयोटा किर्लोस्कर मोटर कंपनी को इनोवा कार मालिक को 61 लाख रुपये से अधिक मुआवजा देने का आदेश दिया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि गंभीर सड़क दुर्घटना के दौरान कार के एयरबैग का न खुलना विनिर्माण दोष और सेवा में कमी की श्रेणी में आता है। मामला 23 अप्रैल 2023 का है। कोरबा निवासी व्यापारी अमित अग्रवाल अपने भाई सुमित अग्रवाल की इनोवा कार से रायपुर से कोरबा लौट रहे थे। सामने से आ रहे वाहन से बचने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर पलट गई और पेड़ से टकरा गई। कार का एक भी एयरबैग नहीं खुला। दुर्घटना में अमित अग्रवाल को गंभीर चोटें आईं। घायल अमित अग्रवाल का इलाज रायपुर और हैदराबाद में कराया गया, जिस पर करीब 36.83 लाख रुपये खर्च हुए। एयरबैग के न खुलने और इलाज में हुए भारी खर्च को लेकर कार मालिक सुमित अग्रवाल ने जिला उपभोक्ता आयोग, कोरबा में टोयोटा कंपनी के खिलाफ परिवाद दायर किया।

भगोड़े माल्या के बर्थडे पर ललित मोदी ने दी पार्टी

नईदिल्ली, एजेंसी। भगोड़े विजय माल्या को ब्रिटेन में दिवालिया घोषित कर दिया गया है और यूके और भारत में उनके खिलाफ दर्जनों कानूनी मामले चल रहे हैं। इस बीच आईपीएल के संस्थापक ललित मोदी (63) के साथ उनकी दोस्ती नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। ललित ने 16 दिसंबर को माल्या के 70वें जन्मदिन पर एक पार्टी का आयोजन किया था। दोनों कानूनी मुश्किलों में फंसने के बाद भारत छोड़कर भाग गए थे। यह पार्टी ललित के लंदन स्थित छह कमरों वाले घर में हुई, जो बेल्ग्रेव स्क्वायर में है। यह ब्रिटेन के सबसे महंगे इलाकों में से एक है। माल्या के दोस्त भारत से उड़कर पहुंचे थे। पार्टी में फैशन डिजाइनर मणिवराज खोसला, अंग्रेजी अभिनेता इदरीस एल्बा और उद्यमी किरण मजूमदार-शॉ भी मौजूद थे।

आईएएस एसोसिएशन सर्विस मीट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज प्रशासन अकादमी में मप्र आईएएस एसोसिएशन सर्विस मीट-2025 का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

धरने पर बैठे रहे विपक्षी, हंगामे के बीच खत्म हुआ संसद का शीतकालीन सत्र

दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नईदिल्ली, एजेंसी

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। वहीं सुबह से ही मनरेगा का नाम बदलकर जी राम जी योजना करने को लेकर विपक्षी सांसद संसद भवन परिसर में धरना दे रहे थे। सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष हंगामा करने लगा। इसके बाद दोनों सदन स्थगति कर दिए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं। अठारहवीं लोकसभा के छठे सत्र में सदन ने आठ सरकारी विधेयकों को मंजूरी दी। इनमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लेने के लिए लाया गया 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' शामिल है जिसे लेकर विपक्ष ने भारी विरोध दर्ज कराया।

किराए के घर में चल रहा था अवैध चर्च, गरीबों को लालच देने का आरोप

चर्च में धर्मांतरण, जर्मन दंपति हिरासत में

श्रीगंगानगर, एजेंसी

राजस्थान के बॉर्डर एरिया श्रीकरणपुर में अवैध धर्मांतरण का बड़ा मामला सामने आया है। वार्ड नंबर 22 की लक्कड़ मंडी में श्री गुरुनानक दरबार गुरुद्वारे के पास एक किराए के नवनिर्मित मकान में गुपचुप तरीके से चर्च चलाया जा रहा था। यहां जर्मनी के दंपति सहित कुछ लोग पैसे और अन्य लालच देकर गरीबों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए भ्रमित कर रहे थे।

गुरुवार देर रात विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंच गए और हंगामा शुरू हो गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जर्मनी के स्वैन बॉज बेट जलेर और उनकी पत्नी संदरा, कर्नाटक के संतोष वर्गीसी, केरल के मैथ्यू, बलजिंदर सिंह खोसा और राजेश कंबोज उर्फ पोपी को हिरासत में ले लिया। देर रात तक चर्च के बाहर और थाने के सामने हिंदू व सिख संगठनों के सैकड़ों लोग जमा हो गए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। सीओ पुष्पेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और लोगों से पूछताछ की।

विदेशी फंडिंग का शकः पुलिस के अनुसार जर्मन दंपति ने बिना अनुमति के यहां प्रवेश किया और गुप्त रूप से धर्मांतरण का कार्यक्रम चला रहे थे। इससे धार्मिक भावनाएं भड़कने का खतरा था। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ जारी है।

मेट्रो एंकर

कभी प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रहा था पड़ोसी देश, अब वहां के शहरों का आसमान नीला

चीन की मिसाल... सख्त एक्शन प्लान से ही मिलेगी जहरीली हवा से निजात

नई दिल्ली, एजेंसी

हर साल सर्दियों में दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई शहरों को प्रदूषण और स्मॉग की मोटी चादर ढक लेती है। ऐसे में सांस लेना तक बेहद मुश्किल हो जाता है। भारत की तरह ही चीन भी एक समय में प्रदूषण की चपेट में था। उसने टेक्नोलॉजी का सही इस्तेमाल करके अपने यहां हवा को साफ किया। अब वहां स्थिति काफी बेहतर है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर चीन ने कैसे अपने शहरों की हवा को साफ किया और भारत क्या सीख सकता है? जहरीली हवा से निपटने के लिए चीन ने भारत की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, चीन भी कभी गंभीर स्मॉग से जूझता था।

अब हमारे आसमान नीले हैं। हम भारत के साथ अपना अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं, और हमें भरोसा है कि भारत भी जल्द वहां पहुंचेगा। चीन में भी प्रदूषण विकास की कीमत पर आया था। वहां 1978 में आर्थिक उदारीकरण के बाद औद्योगिक विकास ने कार्बन उत्सर्जन काफी बढ़ा दिया था। चीन में प्रदूषण पर एक रिपोर्ट के अनुसार इसके पीछे भारी उद्योग, कोयला जलाना, वाहनों का धुआं, बिजली संयंत्रों की चिमनियां, फसल जलाना और उर्वरकों का इस्तेमाल जिम्मेदार थी। ऐसे में 2008 बीजिंग ओलंपिक के समय जब सारी दुनिया की नजर थी, तो वहां की सरकार के लिए इस समस्या पर गौर करना जरूरी हो गया। लोगों ने भी सड़कों पर आकर प्रदूषण का विरोध करना शुरू कर दिया था।

भारत में आज वायु प्रदूषण ठीक वैसा ही है, जैसा चीन में 2000 के दशक के अंत में था। हालांकि दोनों देशों के बीच कई फर्क हैं। भारत में GRAP जैसी योजनाएं हैं जो सिर्फ प्रदूषण बढ़ने पर लागू होती हैं, जबकि चीन प्रदूषण के बढ़ने का इंतजार न करते हुए लगातार उसके खिलाफ काम करना जारी रखता है।

स्टेप बाय स्टेप लागू किए कई उपाय

2010 के आस-पास वायु प्रदूषण पर सरकार का खासा ध्यान गया। इसके बाद चीन ने चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने पर जोर दिया। शेन्जेन शहर ने 2017 में अपनी 16,000 से ज्यादा बसों को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बना दिया। इसके अलावा 2013 और 2017 के बीच कोयले के इस्तेमाल को कम किया गया। इससे हवा की क्वालिटी में काफी सुधार आया। कोयले पर निर्भरता घटाने का लक्ष्य तय हुआ। औद्योगिक उत्सर्जन पर कड़े मानक बनाए गए योजनाबद्ध तरीके से लाखों पुराने वाहनों को सड़क से हटाया गया। इलेक्ट्रिक बसें और टैक्सियां बड़ी संख्या में चलाई गईं। साइकिल लेन और मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया गया ताकि लोग निजी गाड़ियां कम चलाएं। सरकार ने हजारों फैक्ट्रियों को आधुनिक तकनीक अपनाने पर मजबूर किया। इस्पात, सीमेंट, और कोयला आधारित उद्योगों को उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण लगाने पड़े। जो उद्योग नियमों का पालन नहीं करते थे, उन्हें भारी जुर्माना या सजा का सामना करना पड़ा।

हमारी मेट्रो में 21 से शुरू होगा सफर

कल केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और मुख्यमंत्री यादव मिंटो हाल से करेंगे शुभारंभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल मेट्रो का 20 दिसंबर को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मिंटो हाल में लोकार्पण करेंगे, लेकिन शहर के नागरिक भोपाल मेट्रो का सफर 21 दिसंबर से कर पाएंगे। शहर के नागरिकों के लिए मेट्रो सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक प्रायोरिटी कारिडोर पर मेट्रो चलेगी। यह जानकारी मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एस. कृष्ण चैतन्य ने दी। एमडी ने बताया कि मेट्रो के प्रायोरिटी कारिडोर में कुल आठ स्टेशन हैं। बताया जा रहा है कि भोपाल में मेट्रो के दो प्रोजेक्ट चल रहे हैं। पहला ऑरेंज लाइन करोंद से एम्स के बीच 16.74 किलोमीटर लंबा है।

वहीं दूसरा प्रोजेक्ट ब्लू लाइन 14.16 किलोमीटर भदभदा से रत्नागिरि तक है। दोनों के लिए डिपो सुभाष नगर में बना है। वहीं पुल बोगदा में जंक्शन बनेगा, यानी ट्रेनें यहां से क्रॉस होंगी। सबसे पहले ऑरेंज लाइन के प्रायोरिटी कॉरिडोर सुभाष नगर से एम्स तक 6.22 किलोमीटर की शुरुआत हो रही है।

40 की रफ्तार और दिनभर में 17 फेरे

मेट्रो ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 40 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। परिचालन व्यवस्था की बात करें तो एम्स मेट्रो स्टेशन से 9 मेट्रो ट्रेन और सुभाष नगर से एम्स मेट्रो स्टेशन के बीच 8 मेट्रो ट्रेन चलाई जाएंगी। तीन कोच वाली प्रत्येक ट्रेन में एक कोच में करीब 350 यात्री सफर कर सकेंगे। मेट्रो ट्रेन एक दिन में कुल 17 फेरे लगाएगी।

किराया संरचना और टिकट व्यवस्था

किराया संरचना के अनुसार एक स्टेशन का किराया 20 रुपये तय किया गया है। यदि यात्री तीन से पांच स्टेशनों तक सफर करते हैं तो उन्हें 30 रुपये चुकाने होंगे। वहीं, 7.4 किलोमीटर के प्रायोरिटी कारिडोर सुभाष नगर से एम्स मेट्रो स्टेशन तक सफर करने पर किराया 40 रुपये रहेगा। फिलहाल यात्रियों को आनलाइन टिकट की सुविधा नहीं मिलेगी और टिकट मैन्युअली लेना होगा। पहले सप्ताह किसी भी प्रकार की फी यात्रा की सुविधा नहीं दी जाएगी। आरेंज लाइन का पूरा काम होने पर अधिकतम किराया 70 रुपये रहेगा।

बिना ड्राइवर मेट्रो की भविष्य में तैयारी

भविष्य में भोपाल मेट्रो को बिना ड्राइवर के चलाने की योजना है, हालांकि फिलहाल मेट्रो का संचालन ड्राइवर द्वारा ही किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि आरेंज लाइन के 7.4 किलोमीटर लंबे प्रायोरिटी कारिडोर का काम जुलाई 2025 तक पूरा होना था, लेकिन प्रोजेक्ट लगभग छह महीने की देरी से पूरा हुआ है।

डीपीआर में नहीं था पार्किंग का प्राविधान

एमडी चैतन्य ने बताया कि मेट्रो की डीपीआर में पार्किंग का प्राविधान नहीं था। भोपाल और इंदौर में जो भी मेट्रो स्टेशन बने हैं, वे बिना पार्किंग के ही हैं। हालांकि भोपाल मेट्रो स्टेशन के पास 15 से 20 चार पहिया वाहन और 30 से 35 दो पहिया वाहन को खड़ा करने के लिए जगह चिह्नित कर ली है। जल्द ही यह काम पूरा कर लिया जाएगा।

मुंह की जटिल सर्जरी अब होगी आसान

एम्स के डॉक्टर का अनोखा स्वदेशी आविष्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दांतों और जबड़ों की जटिल सर्जरी अब पहले से अधिक सुरक्षित और सरल हो सकेगी। एम्स भोपाल के दंत चिकित्सा विभाग के सीनियर रेजिडेंट डॉ. सुदीप कुमार ने एक अत्याधुनिक स्वदेशी उपकरण विकसित किया है, जिसे ओम्निव्यू रिट्रैक्टर नाम दिया गया है।

यह उपकरण सर्जरी के दौरान मुंह के अंदरूनी हिस्सों को स्पष्ट रूप से देखने में डॉक्टरों की सहायता करता है। मुंह और दांतों की बड़ी सर्जरी के समय अंदर के हिस्सों तक सही पहुंच और साफ दृश्य मिलना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। ओम्निव्यू रिट्रैक्टर इस समस्या का प्रभावी समाधान है। यह उपकरण सर्जरी के दौरान मुंह के विभिन्न हिस्सों को संतुलित ढंग से स्थिर रखता है, जिससे डॉक्टरों को कार्यक्षेत्र साफ दिखाई देता है और ऑपरेशन अधिक सटीकता से किया जा सकता है। इस यंत्र की खास बात यह है कि यह मरीज के मसूड़ों और गालों को अनावश्यक चोट से बचाता है। इसे एर्गोनोमिक डिजाइन में तैयार किया गया है, जिससे इसका उपयोग आसान और सुरक्षित बनता है। डा. सुदीप कुमार को इस नवाचार के लिए नेशनल बायोमेडिकल रिसर्च कॉम्पिटिशन 2025 में हेल्थ साइंसेज श्रेणी का देश का सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया गया। इस शोध कार्य में उन्हें एम्स के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अंशुल राय और डा. बाबूलाल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। एनबीआर कॉम्पिटिशन एक राष्ट्रीय मंच है, जहां देशभर के वैज्ञानिक और चिकित्सक अपनी नवीन खोजों को प्रस्तुत करते हैं।

चेतक ब्रिज पर घंटों जाम से लोग बेहाल

राजधानी भोपाल के एमपी नगर स्थित चेतक ब्रिज पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। यहां ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन की लापरवाही के चलते रोज़ाना घंटों लंबा जाम लग रहा है, जिससे छोटे-बड़े वाहन चालक, दफ्तर जाने वाले कर्मचारी, स्कूली वाहन और एंबुलेंस तक फंसकर रह जाते हैं। सुबह और शाम के पीक ऑवर में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। ब्रिज पर न तो ट्रैफिक सिग्नल की सही व्यवस्था है और न ही पर्याप्त पुलिस बल तैनात, जिसके कारण वाहन चालक मनमाने ढंग से गाड़ियां निकालने की कोशिश करते हैं और जाम और ज्यादा बढ़ जाता है। लोगों का कहना है कि चेतक ब्रिज एमपी नगर का अति व्यस्त मार्ग है, लेकिन इसके बावजूद डायवर्जन, लेन मैनेजमेंट और नो-एंट्री नियमों का पालन नहीं कराया जा रहा। भारी वाहनों की आवाजाही भी जाम का बड़ा कारण बन रही है।

जोन समिति की बैठक में छाया रहा साफ-सफाई का मुद्दा

संतनगर, दोपहर मेट्रो।

जोन एक समिति की बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था का मुद्दा छाया रहा। एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सीवेज, अमृत योजना एवं साफ सफाई, अतिक्रमण, बिल्डिंग परमिशन जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान अध्यक्ष राजेश हिंगोरानी ने कहा कि उपनगर की साफ-सफाई उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कचरा इकट्ठा करने और सड़कों की सफाई में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए कि कचरा गाड़ियों का रूट चार्ट व्यवस्थित हो और सार्वजनिक स्थानों पर डस्टबिन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में सीवेज लाइनों और अमृत योजना के तहत चल रहे जल प्रदाय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य बाजारों और रिहायशी इलाकों में बढ़ते अतिक्रमण पर चिंता व्यक्त की गई। इसके लिए नियमित रूप से विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में पार्षद अशोक मारण ने भी अपने क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके अलावा प्रशासनिक स्तर पर जोनल अधिकारी विक्रम झा, स्वास्थ्य अधिकारी रवि कांत, सहायक यंत्री सचिन साहू एवं प्रफुल्ल गुजर, शुभम सोनी, आशुतोष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

पचमढ़ी के जंगल में बनने वाला शहद आ रहा पसंद

लाल परेड ग्राउंड में वन मेले का आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लाल परेड मैदान में वन मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में जड़ी-बूटियों का स्टॉल लगाया है। यहां मिल रहा विशेष प्रकार के शहद उन मधुमक्खियों द्वारा तैयार किया जाता है, जो सामान्य फूलों के रस की जगह जड़ी बूटियों जैसे शंखपुष्पी भृंगराज तुलसी,अश्वगंधा, गुड़मार का रस लेती हैं। जो स्वास्थ्य के लिए ज्यादा लाभदायक होती है। लोगों को यह शहद बेहद पंसद आ रहा है। वहीं पचमढ़ी के जंगलों में पाए जाने वाला जंगली प्याज का रस निकालकर इन्हें खास तरीके आंबा हल्दी, दारू हल्दी जैसे कई बूटियों से मिलाकर तैयार करते हैं. शरीर के जोड़ो के दर्द में इस तेल के इस्तेमाल से फायदा मिलता है. ये बढ़ती उम्र के साथ हड्डियों में कम होने वाली चिकनाई को फिर से बनाने का काम करती हैं. जिससे जोड़ों के दर्द में काफी लाभ मिलता है. इसके अलावा जंगली प्याज भी पचमढ़ी के एक वैद्य लेकर आए हैं, जिससे बनी दवा, तेल से जोड़ों के दर्द से छुटकारा मिलता है। इस जंगली प्याज का वजन 5 से 20 किलो तक बताया जा रहा है। वन मेला में लगभग 350 स्टाल लगे हुए हैं, इनमें कई जड़ी-बूटियों के स्टॉल भी हैं। यहां दूरदराज से आए वैद्यों, आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने वन मेला में आए लोगों को उपचार संबंधी निःशुल्क परामर्श दिया. मेले में गोबर से लेकर बांस, पचमढ़ी के जंगली प्याज और बावेर घास से नवाचार तक की वस्तुएं न केवल लोगों को लुभा रही हैं, बल्कि उन्हें स्वदेशी वस्तुओं से जोड़ रही हैं।

बिना अनुमति डॉक्टरों की ड्यूटी एक्सचेंज पर रोक

जेपी अस्पताल में मौखिक सहमति नहीं चलेगी ड्यूटी बदली तो लिखित मंजूरी देना आवश्यक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शासकीय जेपी अस्पताल में डॉक्टरों की ड्यूटी एक्सचेंज को लेकर अब तक चली आ रही ढीली व्यवस्था पर सख्ती कर दी गई है। अस्पताल में नई, प्रमाणित और जवाबदेही तय करने वाली व्यवस्था लागू कर दी गई है। अब न तो मौखिक सहमति से ड्यूटी बदलेगी और न ही आखिरी वक्त पर किसी और को बैठा देने की छूट रहेगी। नई व्यवस्था के तहत ड्यूटी एक्सचेंज के लिए दोनों डॉक्टरों की लिखित सहमति और हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

रीजनल मेडिकल ऑफिसर (आरएमओ) और सिविल सर्जन की पूर्व स्वीकृति जरूरी होगी। इसके लिए अस्पताल में अलग से रजिस्टर तैयार किया गया है। इसमें पूरा रिकॉर्ड दर्ज होगा। इसके पीछे अस्पताल प्रबंधन का तर्क है कि अब तक ड्यूटी एक्सचेंज अक्सर पारिवारिक या सामाजिक

कारणों से हो जाती थी। जिसकी ड्यूटी होती थी, उसकी जगह दूसरा डॉक्टर जिम्मेदारी निभाता था, जबकि उसके पास पहले से ही काम का दबाव रहता था। इसका सीधा असर मरीजों के इलाज पर पड़ रहा था।

बताया गया कि नियम साफ हैं, जो डॉक्टर ड्यूटी संभालेगा, वही पूरी तरह जिम्मेदार होगा। इलाज, वार्ड मैनेजमेंट या मरीजों की शिकायत-हर जवाबदेही उसी की होगी। डॉक्टरों की बैठक लेकर साफ शब्दों में कहा गया कि जब तक पूरी प्रक्रिया नहीं होग, ड्यूटी एक्सचेंज नहीं माना जाएगा। डॉक्टर को पहले अपनी जगह दूसरा डॉक्टर तैयार करना होगा, दोनों के हस्ताक्षर होंगे।

इमरजेंसी है तो फोन पर सूचना देनी होगी

यह फैसला व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लिए लिया है। नई व्यवस्था के तहत यदि कोई डॉक्टर किसी और डॉक्टर के साथ ड्यूटी एक्सचेंज करता है, तो मुझे या आरएमओ को सूचना देनी होगी। इसकी जानकारी ड्यूटी रजिस्टर में भी लिखना होगी । यदि कोई इमरजेंसी है तो फोन पर सूचित करना पड़ेगा। अगले दिन रजिस्टर मेंटेन करना होगा।

गर्ल्स कॉलेज को एसडीजी ईको चैंपियनशिप में तीसरी बार ए+ गोल्ड

संतनगर. संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने एसडीजी इको चैंपियनशिप 2025 में लगातार तीसरी बार ए+ गोल्ड श्रेणी हासिल हुई है। यह सम्मान संस्थान की सतत विकास लक्ष्यों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता,पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक संतुलन तथा समाज के प्रति जिम्मेदार प्रयासों का प्रतिफल है। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा परवानी ने ने कहा कि यह सफलता सभी के सामूहिक प्रयासों और समर्पण का परिणाम है। कॉलेज में अनेक प्रकार के आयोजन किये गए, जिसमें फायर विभाग के साथ अग्निशमन अभ्यास व प्रदर्शन डिजिटल सुरक्षा सत्र, पासवर्ड सुरक्षा फ्रीसिंग, सार्वजनिक वाई-फाई से जुड़े जोखिम जल संरक्षण पर सोशल मीडिया चुनौती, ग्रीन फिल्म समीक्षा और इको पॉडकास्ट धरती की आवाज मैदानी भ्रमण पर आयोजन व अन्य गतिविधियां शामिल हैं।

मेट्रो एंकर

शहीद भवन के मंच पर जलियांवाला बाग के संघर्ष का प्रदर्शन

उधम सिंह का जीवंत होना नाटक का सबसे सशक्त क्षण बना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहीद भवन के मंच पर शहीद उधम सिंह की प्रतिमा से संवाद शुरू हुआ। सुदेश शर्मा के निर्देशन और सीएस सिंधरा के लेखन में तैयार नाटक शहीद उधम सिंह आजाद ने जलियांवाला बाग से लेकर लंदन के कॉक्सटन हॉल तक के संघर्ष को बेहद सशक्त ढंग से सामने रखा। नाटक के मंचन से दर्शक वर्तमान से सीधे इतिहास के सबसे दर्दनाक और ज्वलंत अध्याय में पहुंच गए।

नाटक की प्रस्तुति केवल नाटक नहीं, बल्कि आज के समाज के लिए एक स्पष्ट संदेश बनकर उभरी। इसकी शुरुआत आज के दौर से होती है, जहां शहीद उधम सिंह की प्रतिमा को लेकर समाज में फैली अराजकता, जाति और धर्म के नाम पर खींचतान दिखाई देती है। इसी टकराव के बीच मंच पर उधम सिंह का अतीत जीवंत होता है। जलियांवाला बाग के नरसंहार की पीड़ा, खून से सनी मिट्टी की कसम और 24 वर्षों बाद जनरल ओ डायर को सजा देने का संकल्प, हर दृश्य मंच पर गहराई के साथ उभरता है। मंचन की खास बात यह रही कि गुरुदेव का सूत्रधार रूप दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर गया, जबकि उधम सिंह का जीवंत होना पूरे नाटक का सबसे सशक्त क्षण बन गया। नाटक मंचन में कलाकारों की गतिशील प्रस्तुति ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। इतिहास को केवल घटना के रूप में नहीं, बल्कि आज के समाज से जोड़कर प्रस्तुत किया गया।

उत्पादकता संसाधनों के कुशल दक्ष कार्य निष्पादन से जुड़ी है : उपाध्याय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरखेड़ा स्थित ब्लू कंप्यूटर सेंटर में स्किल डेवलपमेंट सोसायटी एवं बीएचईएल लेडीज वर्कर्स वेलफेयर सोसायटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसका उद्देश्य बीएचईएल भोपाल संयंत्र में विभिन्न वर्क ऑर्डर के अंतर्गत कार्यरत कुशल श्रमिकों को उत्पादकता के प्रति जागरूक करना है। अपने संबोधन में रोजी उपाध्याय ने कहा कि उत्पादकता संसाधनों के कुशल उपयोग और दक्ष कार्य निष्पादन से जुड़ी है, चाहे वह व्यक्ति हो, संस्था हो या पूरा देश। उन्होंने बताया कि कम संसाधनों में अधिक उत्पादन या समान उत्पादन के लिए कम संसाधनों का उपयोग ही इसका मुख्य उद्देश्य है। 'कार्य कैसे करें और उत्पादकता कैसे बढ़ाएं' विषय पर सीआईएम विभाग के विशेषज्ञों ने अपने व्यावहारिक अनुभव साझा किए गए। इनमें संदीप कुमार मधारे (टर्बो एवं एलईएम), आकाश गुप्ता (आर्मेचर), महेंद्र वर्मा (आईएमएम) और कुलदीप केरकटा (रोटर) शामिल थे। अखिलेश मालवीय ने सुरक्षा मानकों पर प्रकाश डाला, जबकि प्रहलाद करमे एवं अजय पाल ने दोनों सोसायटियों को एक परिवार की तरह बताया। कार्यक्रम का समापन योगिता बघेल द्वारा आभार व्यक्त करने के साथ हुआ। संचालन स्किल प्रबंधक मुज़फ्फर इक़बाल सिद्दीकी ने किया। इस अवसर पर स्किल उपाध्यक्ष योगिता बघेल, कामगार उपाध्यक्ष मंजू पटेल, कामगार सचिव एवं कोषाध्यक्ष ऋतु आर्य, स्किल सचिव वीना शिशिर तथा कोषाध्यक्ष निशा मीना उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में आरोग्य सेवा संकल्प सम्मेलन को संबोधित किया।

डिप्टी सीएम देवड़ा बोले- कर्ज की राशि से सिर्फ निर्माण संबंधी विकास हो रहे

सरकार हर साल कर्ज पर 30 हजार करोड़ का चुका रही ब्याज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

डिप्टी सीएम और वित्त व वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लिए जाने वाले ऋण को कर्ज नहीं निवेश कहेंगे। कर्ज की इस राशि से सिर्फ अधोसंरचना के कामों को ही कराया जाता है। उन्होंने लाडली बहना योजना की राशि बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा घोषणा किए जाने पर वित्तीय प्रबंधन को लेकर कहा कि सरकार इसके लिए घोषणा के आधार पर प्रबंधन कर लेगी। देवड़ा ने कहा कि वित्त विभाग श्रेष्ठ वित्तीय प्रबंधन द्वारा शून्य आधारित बजट तैयार कर रहा है।

डिप्टी सीएम देवड़ा ने कहा कि तीन वर्षों के लिये रोलिंग बजट की प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसमें बजट प्रक्रिया से संबंधित नवाचार अपनाए जा रहे है। डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने यह जानकारी मीडिया से चर्चा में दी। इस दौरान यह जानकारी दी गई है कि लिमिट में कर्ज लेने के साथ राज्य सरकार हर साल 28 से 30 हजार करोड़ रुपए का ब्याज कर्ज की राशि पर चुका रही है। सरकार द्वारा बार-बार कर्ज लिए जाने के सवाल पर अपर मुख्य सचिव वित्त विभाग मनीष रस्तोगी ने कहा कि बजट मैनेजमेंट एक्ट के अंतर्गत ऋण लेने की व्यवस्था तय की गई है। चूंकि राज्य सरकारें कर्ज लेकर चुका नहीं पाती हैं। इसलिए बजट प्रबंधन अधिनियम बनाया गया है। बजट प्रबंधन अधिनियम का उल्लंघन किए बगैर भारत सरकार द्वारा निर्धारित लिमिट के आधार पर राज्य सरकार कर्ज लेती है। जीएसडीपी का तीन प्रतिशत लोन सरकार ले सकती है। इस साल की जीएसडीपी 16 लाख 94 हजार करोड़ की है। इसका तीन प्रतिशत कर्ज सरकार ले सकती है। रस्तोगी ने कहा कि जितना एलाउड है उतना ही ऋण ले रहे हैं। राज्य सरकार आज की तारीख में 28 से 30 हजार करोड़ रुपए सालाना ब्याज चुकाती है।

रविशंकर नगर के री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए ईएमसी-2.0 का 121 करोड़ का टेंडर फाइनल

हाउसिंग बोर्ड ने लगाई मुहर : कैफेटेरिया भी बनेगा, कई सुविधाएं एक ही छत के नीचे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के पहले री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट रविशंकर शुक्ल मार्केट के विकास का रास्ता साफ हो गया है। भोपाल के 5 नंबर स्थित आरएसएस मार्केट प्रोजेक्ट को हाउसिंग बोर्ड की संचालक मंडल की बैठक में प्रशासकीय स्वीकृति मिल गई। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएनसीपी) से भी इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी गई है। अब नए साल में बोर्ड इसके लिए टेंडर जारी करेगा। वहीं, 210 एकड़ में 371 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0 प्रोजेक्ट के पहले चरण का टेंडर फाइनल हो गया। यह 121 करोड़ रुपए का टेंडर था।

बोर्ड बैठक की अध्यक्षता मंडल के चेयरमैन व नगरीय आवास एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने की। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, वित्त विभाग के उप सचिव आनंद पटले,

टीएनसीपी के संयुक्त संचालक केएस गवली, हाउसिंग बोर्ड के कमिश्नर राहुल हरिदास फटिंग, बोर्ड की मुख्य प्रशासकीय अधिकारी तृप्ति श्रीवास्तव मौजूद थे।

राजधानी की बैरसिया तहसील के ग्राम बांदीखेड़ी में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी 2.0) के डेवलपमेंट का टेंडर फाइनल हो गया। पहले राउंड का यह टेंडर 121 करोड़ रुपए का है। 371 करोड़ रुपए की लागत से 210.21 एकड़ में यह प्रोजेक्ट विकसित किया जा रहा है। इस पूरे प्रोजेक्ट में इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन व विनिर्माण इंडस्ट्री से जुड़ी हर सुविधा एक ही छत के नीचे होगी।

पूरे प्रोजेक्ट को कवर्ड कैंपस में बिजनेस पार्क के तौर पर विकसित किया जाएगा। इसमें एक एकड़ से लेकर 5 एकड़ तक के कमर्शियल प्लाट आईटी मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को अलॉट किए जाएंगे। इस कैंपस में एसटीपी, इटीपी से लेकर कैफेटेरिया जैसी सुविधाएं होंगी। यहां एमपीएसईडीसी का एक प्रशासनिक भवन भी बनेगा। यह प्रोजेक्ट सरकार डिजिटल इंडिया एवं मेक इन इंडिया के तहत विकसित कर रही है। इस प्रोजेक्ट की लागत 371 करोड़ 95 लाख है। इसमें से 146 करोड़ 63 लाख रुपए केंद्र और 225 करोड़ 32 लाख रुपए राज्य का होगा।

इंदौर का बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड

सोनम ने शिलांग कोर्ट से मांगी जमानत, विपिन ने ली आपत्ति

इंदौर। ट्रांसपोर्टर राजा रघुवंशी हत्याकांड में शिलांग जेल में बंद सोनम रघुवंशी ने जमानत मांगी है। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने जमानत पर आपत्ति ली है। कोर्ट ने सुनवाई आगे बढ़ा दी है। सहकार नगर (केट रोड) निवासी 30 वर्षीय राजा की उसकी पत्नी सोनम ने प्रेमी राज कुशवाह और आकाश, विशाल व एक अन्य के साथ मिलकर शिलांग में हनीमून के दौरान हत्या कर दी थी।

सभी आरोपित मेघालय में शिलांग की जेल में बंद हैं। आरोपियों की तरफ से सरकारी वकील पैरवी कर रहे हैं। बुधवार को सोनम रघुवंशी की तरफ से उसके वकील ने जमानत अर्जी दायर कर दी। जानकारी लगने पर विपिन ने आपत्ति दर्ज करवाई। उसने कोर्ट से कहा कि सोनम ने दो परिवारों के साथ धोखा किया है। राजा से शादी के पहले ही वह राज से शादी कर चुकी थी। उसे जमानत नहीं देनी चाहिए। सिर्फ रिपोर्ट पेश करने से हादसे नियंत्रित नहीं होंगे। इसमें जो उपाय बताए गए हैं, उन्हें नियमित व्यवहार में भी लाएं। यह टिप्पणी हाई कोर्ट की मुख्य पीठ ने की। न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने सरकार से पूछा था कि वह बताए कि इंदौर में हुए ट्रक हादसे के बाद उसने सुधार के लिए क्या प्रयास किए हैं।

आईएएस संतोष वर्मा का नया वीडियो वायरल-बोले-

जैसे 2016 में माई के लाल बने थे, फिर बनना होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अजाक्स के सम्मेलन में हाईकोर्ट को एससी-एसटी वर्ग के युवाओं को सिविल जज न बनने के लिए जिम्मेदार बताने और ब्राह्मणों की बेटियों को लेकर विवादित बयान देने वाले आईएएस संतोष वर्मा का एक और वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वे समाज के लोगों से एक बार फिर माई का लाल बनने का आह्वान कर रहे हैं। इसी सम्मेलन में बयान देने वाली एक महिला आईएएस मीनाक्षी सिंह का बयान भी अब वायरल हो रहा है। जिसमें वे कह रही हैं कि जातिगत पहचान और जातिवादी होना आज के समय की सबसे बड़ी मांग है।

उन्होंने कहा कि सवर्ण समाज के लोग पक्षपात करते हैं। यह जातिवादी मानसिकता हमारे लिए जरूरी है। 23 नवम्बर को राजधानी के अंबेडकर पार्क में हुए अजाक्स के सम्मेलन में ब्राह्मणों की बेटियों और हाईकोर्ट पर टिप्पणी करने वाले आईएएस संतोष कुमार वर्मा के नए वायरल वीडियो में वे कह रहे हैं कि साल 2016 में हमने जो ताकत दिखाई थी, वह एकदम अलग थी और उस ताकत के दिखाने के बाद हम माई के लाल बन गए थे। आज हमारी स्थिति वैसी बिल्कुल नहीं है। अब स्थिति बदल गई है। हमें हर तरह से तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसलिए फिर वैसी ही ताकत दिखानी होगी।

मीनाक्षी सिंह बोली- जातिगत पहचान और जातिवादी होना जरूरी

इसी सम्मेलन में वक्ता के रूप में आईएएस अधिकारी मीनाक्षी सिंह ने कहा है कि अजाक्स को केवल हमारे संगठन तक नहीं बल्कि समाज तक जाना होगा। वायरल वीडियो में वे कह रही हैं कि समाज को जोड़ने के लिए सबसे पहली धुरी हमारा परिवार है। हमारे बच्चों को बताना पड़ेगा कि हम आदिवासी हैं। हमारी जाति क्या है? जातिगत पहचान और जातिवादी होना, आज के समय की सबसे बड़ी मांग है। वीडियो में उन्होंने कहा कि सवर्ण समाज के लोग पक्षपात करते हैं। यह जातिवादी मानसिकता हमारे लिए जरूरी है। हम अपने लोगों को ढूंढें और उनकी मदद करें। मेरे आदिवासी भाई बंधु संकोच करते हैं कि कैसे जाएं, यह बड़े पद पर हैं। ऐसा मत सोचिए, जब भी भोपाल आएं तो हमसे मिलने जरूर आएं। अपने दिल की बात रखें और समस्या बताएं, मिलेंगे- बैठेंगे, बात करेंगे तभी हम समाज के लिए कुछ कर पाएंगे। हमारा सरकारी सिस्टम कितना कॉम्प्लिकेटेड है यह भी हम देख रहे हैं।

जाति के आधार पर काम करने की सोच खतरनाक

मंत्रालय अधिकारी-कर्मचारी सेवा संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने आईएएस मीनाक्षी सिंह के वायरल नए वीडियो को लेकर कहा कि आईएएस संतोष वर्मा जी का मामला निपटा नहीं कि एक और आईएएस अधिकारी का विवादित और असंवैधानिक बयान आया है। वह भी अजाक्स के ही मंच से। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मीनाक्षी सिंह कह रहीं हैं कि हमें जातिवादी होकर काम करना चाहिए। जातिवादी होना समय की मांग है। हमें अपने लोगों के काम ढूंढ ढूंढ़कर करने चाहिए। आईएएस अधिकारी संविधान की शपथ लेते हैं। संविधान कहता है कि जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, जेंडर से ऊपर उठकर सभी नागरिकों को एक नजर से देखा जाएगा। यदि देश की सर्वोच्च नौकरशाही के मन में इस तरह का जहर भर दिया गया है तो फिर इस देश का भगवान ही मालिक है। नायक कहते हैं कि सामान्य वर्ग को अब जागने का समय आ गया है। ऐसा माहौल बना दिया गया है कि लोग किसी अधिकारी के पास काम से जाने के पहले इधर, उधर पूछताछ कर पहले उसकी जाति का पता लगाते हैं, फिर मिलने जाते हैं। यह वीडियो सामान्य वर्ग के लिए एक अलार्म है।

पीड़ित मानवता के सच्चे सेवक हैं चिकित्सक: राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि दीन-दुखियों की सेवा ईश्वर की सेवा है। पीड़ित मानवता की सेवा का अवसर बिरले और सौभाग्यशाली लोगों को प्राप्त होता है। चिकित्सक, पीड़ित मानवता के सच्चे सेवक हैं। रोगियों के लिए चिकित्सक भगवान का अवतार होते हैं। उन्होंने कहा कि उपचार के दौरान चिकित्सक का मरीजों के साथ व्यवहार बहुत मायने रखता है। चिकित्सक की आत्मीयता, सरलता और सहजता मरीज के मनोविज्ञान और उपचार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए चिकित्सक हमेशा मरीजों से आत्मीय व्यवहार करें। उनकी पीड़ा को धैर्य के साथ सुनकर उनका इलाज करें। राज्यपाल श्री पटेल गुरूवार को भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र (बी.एम.एच.आर.सी.) में आयोजित चौथे इंटरनेशनल स्कूल ऑन रेडिएशन रिसर्च के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मध्यप्रदेश पुलिस की वाहन चोरों पर बड़ी कार्रवाई

एक सप्ताह में 4 ट्रैक्टर और 33 मोटरसाइकिल बरामद

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं के विरुद्ध विगत एक सप्ताह में विशेष कार्यवाहियां की हैं। पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई, तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर सूचनाओं के आधार पर 33 चोरी की मोटरसाइकिलें, 4 ट्रैक्टर एवं अन्य सामग्री बरामद की है।

सागर जिले के थाना बंडा पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 4 आरोपियों से 17 मोटरसाइकिलें, एक बोलेरो वाहन और एक मोबाइल फोन जब्त किए हैं। छतरपुर थाना कोतवाली पुलिस ने जिला अस्पताल क्षेत्र से हुई मोटरसाइकिल चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आदतन चोर

गजेंद्र उर्फ गर्जन सिंह बुंदेला को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 6 मोटरसाइकिलें जब्त किए गए। बरामद की गई सामग्री का अनुमानित मूल्य लगभग 4 लाख रूपए है। आरोपी पूर्व में भी कई चोरी के मामलों में संलिप्त रहा है। वहीं खरगोन में पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर 3 लाख रूपए मूल्य की 6 मोटरसाइकिलें जब्त की है।

करोड़पति आरक्षक सौरभ शर्मा कांड

एक साल बाद भी खाली हाथ लोकायुक्त, न ड्राइवर प्यारे मिला न घोटाले की कड़ियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश को देश में शर्मसार करने वाले परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की अकूत संपत्ति के मामले में लोकायुक्त पुलिस एक साल में भी अपनी जांच पूरी नहीं कर सकी है। पिछले साल 2024 में 19 दिसंबर को लोकायुक्त पुलिस ने उसके आवास और कार्यालय में छापा मारा था। दोनों जगह आठ करोड़ रुपये की संपत्ति मिली। उसके अगले दिन भोपाल के मेंडोरी गांव में खड़ी कार में 52 किलो सोना और 10 करोड़ रुपये नकद मिले थे, जिसे आयकर विभाग ने जब्त किया। लोकायुक्त पुलिस अभी तक कार को मेंडोरी गांव तक ले जाने वाले ड्राइवर प्यारे को ही गिरफ्तार नहीं कर पाई है। कार सौरभ के सहयोगी चेतन गौर के नाम पर थी, जिसे सौरभ के मौसेरे बहनोई ने मेंडोरी में अपने प्लांट में खड़ी करवाया था। ड्राइवर प्यारे से पूछताछ नहीं हो पाने से यह पता नहीं चल पा रहा है कि कार कहां से निकली थी। मामले में पुलिस ने सौरभ शर्मा के अतिरिक्त उसके दोस्त चेतन गौर और शरद जायसवाल को आरोपित बनाया गया। चेतन की जमानत हो गई है, बाकी दोनों आरोपित जेल में है।

आरोपितों की संख्या बढ़ेगी

ईडी ने भी छापा मारा था। ईडी ने प्यारे और सौरभ के कुछ रिश्तेदारों को भी आरोपित बनाया है। लोकायुक्त पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि चालान में आरोपितों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन परिवहन विभाग में जिन अधिकारियों के समय सौरभ ने घोटाला किया, उनसे पूछताछ नहीं की गई। माना जा रहा था कि तीन एजेंसियों की जांच में परिवहन विभाग में वर्षों से चल रहे इस घोटाले की कड़ियां सामने आएंगी, लेकिन मामला सौरभ तक ही सिमटा रह गया। सौरभ द्वारा फर्जी शपथ पत्र देकर नौकरी हासिल करने को लेकर ग्वालियर के सिरोल थाने में परिवहन विभाग ने केस दर्ज कराया, लेकिन इसकी भी जांच आगे नहीं बढ़ पाई।

मेट्रो एंकर | बोर्ड की ओर से 200 केंद्रों पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे

अब मोबाइल एप से होगी 10वीं-12वीं परीक्षा की निगरानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश बोर्ड 10वीं व 12वीं की परीक्षा में इस बार परीक्षा केंद्रों की पूरी निगरानी मोबाइल एप के माध्यम से की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियों में जुट गया है। मंडल ने परीक्षा में शामिल अधिकारियों व कर्मचारियों की निगरानी के लिए एप तैयार करा लिया है। प्रदेश भर में 3856 परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। इस बार मंडल पहली बार पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 200 केंद्रों पर सीसीटीवी लगवा रहा है, जिससे मुख्यालय से निगरानी हो सकेगी। इसके अलावा प्रश्नपत्र निकालने से लेकर केंद्र तक पहुंचाने

प्रदेश का आंकड़ा

- प्रदेश में 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों की संख्या-16 लाख सात हजार
- 10वीं के विद्यार्थियों की संख्या-नौ लाख सात हजार
- 12वीं के विद्यार्थियों की संख्या-सात लाख परीक्षा
- केंद्रों की संख्या-3856
- संवेदनशील व अतिसंवेदनशील केंद्रों की संख्या-488
- सवंदेनशील केंद्रों की संख्या-171
- अति संवेदनशील केंद्रों की संख्या-263

की जिम्मेदारी कलेक्टर प्रतिनिधि की होगी। ऑनलाइन निगरानी के लिए मंडल मुख्यालय में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। मंडल द्वारा तैयार किए गए परीक्षा केंद्रों का परीक्षण शुरू कर दिया गया है। मंडल सभी जिलों में यह निगरानी रिपोर्ट जुटा रहा है कि अनुमोदित परीक्षा केंद्रों पर कोई कमी तो नहीं है। अगर कोई कमी है तो उसकी पूर्ति परीक्षा के पहले कर ली जाएगी। इस संबंध में परीक्षा समिति की बैठक कर परीक्षा संबंधी तैयारियां पूरी कर ली गई है। बता दें कि मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं सात फरवरी से शुरू होंगी। इस साल करीब 16 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे।

केंद्राध्यक्षों व सहायक केंद्राध्यक्षों की नियुक्ति कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति करेगी। जिला शिक्षा अधिकारी केंद्राध्यक्षों की सूची एनआईसी को भेजेंगे। रैंडम पद्धति से केंद्राध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी। जिन शिक्षकों के बच्चे बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। उन्हें केंद्राध्यक्ष या सहायक केंद्राध्यक्ष नियुक्त नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर प्रतिनिधि को एप पर स्वयं का पंजीयन कराना होगा। थाने और परीक्षा केंद्र पर जाकर सेल्फी लेनी होगी। हर जिले के कलेक्टर प्रतिनिधियों को संबंधित पुलिस थाने और परीक्षा केंद्र जाकर एप के माध्यम से सेल्फी लेनी होगी। इस सेल्फी में पुलिस थाने और परीक्षा केंद्र का नाम और पता स्पष्ट रूप से नजर आना चाहिए। केंद्राध्यक्ष व पर्यवेक्षकों को अपनी लोकेशन और उपस्थिति एप पर मार्क करनी होगी।

राहत, रहस्य और राजनीति

दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत का ताजा फैसला नेशनल हेराल्ड प्रकरण को एक बार फिर सुर्खियों के केंद्र में ले आया है। वर्षों से जिस मामले को गांधी परिवार के लिए सबसे बड़ा कानूनी संकट बताया जा रहा था, उसी में अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल आरोप-पत्र पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। वजह साफ है- बिना प्राथमिकी के आरोप-पत्र पर विचार नहीं हो सकता। नतीजतन सोनिया गांधी और राहुल गांधी को फिलहाल बड़ी राहत मिली है, लेकिन इस फैसले ने उतने ही बड़े सवाल भी खड़े कर दिए हैं। सबसे अहम प्रश्न यही है कि यदि पूरी जांच एक निजी शिकायत पर आधारित थी, तो फिर सरकारी जांच एजेंसियां एक दशक से अधिक समय तक किस कानूनी आधार पर सक्रिय रहीं? यह शिकायत 2012 में दर्ज की गई थी और उसके बाद आयकर विभाग, सीबीआई और ईडी जैसी शक्तिशाली एजेंसियां जांच में जुटीं। दिलचस्प यह है कि 2019 में धनशोधन निवारण अधिनियम में संशोधन कर निजी शिकायत के आधार पर जांच का रास्ता भी खोला गया था। ऐसे में निचली अदालत का संज्ञान से इनकार करना जांच एजेंसियों की प्रक्रिया पर सवालिया निशान लगा देता है। हालांकि अदालत ने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की और जांच जारी रखने का आदेश दिया है। ईडी के पास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का विकल्प खुला है। लेकिन तब तक राजनीतिक संदेश साफ है- आरोप तय नहीं होंगे, मुकदमा आगे नहीं बढ़ेगा और सजा की बात फिलहाल बेमानी है। यह राहत इसलिए भी अहम है क्योंकि नेशनल हेराल्ड मामले को लंबे समय से 2000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के रूप में पेश किया जाता रहा है। जबकि न तो ईडी ने यह आंकड़ा आधिकारिक तौर पर रखा है और न ही किसी अदालत ने इसे प्रमाणित किया है। कभी 359 करोड़, कभी 900 करोड़- आंकड़ों की यह उलझन खुद मामले की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करती है। इतिहास की परतें भी इस विवाद को और जटिल बनाती हैं। 1938 में शुरू हुआ नेशनल हेराल्ड अखबार आजादी की लड़ाई का प्रतीक रहा है। एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड में हजारों स्वतंत्रता सेनानियों की हिस्सेदारी थी। बाद में इसके शेयर यंग इंडियन लिमिटेड को सौंपे गए, जिसमें गांधी परिवार की प्रमुख हिस्सेदारी है। कानूनन यह एक ऐसी कंपनी है जिसमें लाभ या वेतन का प्रावधान नहीं है। फिर भी संपत्तियों और उनके उपयोग को लेकर संदेह का बादल छाया रहा। कांग्रेस इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रही है, जबकि भाजपा इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के रूप में देख रही है। सच इन दोनों दावों के बीच कहीं है।

काकोरी शहीद दिवस पर विशेष

काकोरी कांड: भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा देने वाला अमर अध्याय

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की।

काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारी केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माने जाते हैं। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है।

बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी। साल 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद गांधीजी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है। यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी। निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप साल 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो। एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े। संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए। इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति रामप्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था।

8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई। अगले ही दिन 9 अगस्त 1925 को एचआरए के 10 क्रांतिकारी सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए। इनमें रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, शचीन्द्रनाथ बख्शी, मन्मथनाथ गुप्त, मुरारी शर्मा, बनवारी लाल, केशव चक्रवर्ती और मुकुंदी लाल शामिल थे। लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चेन खींच कर उसे रोका गया। योजना के अनुसार, राजेंद्र लाहिड़ी ने नेतृत्व संभाला और कुछ ही क्षणों में सरकारी खजाने को कब्जे में ले लिया गया। यह कार्रवाई इतनी सुनियोजित थी कि यात्रियों को अधिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि दुर्भाग्यवश एक आकस्मिक गोली चलने से एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसे बाद में ब्रिटिश सरकार ने पूरे मामले को और अधिक संगीन बनाने के लिए प्रमुख आधार बनाया।

आज, जब हम काकोरी शहीद दिवस मनाते हैं तो यह केवल अतीत को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा लेने का दिन है। काकोरी के शूरवीरों ने हमें सिखाया कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्तव्य भी है उसकी रक्षा का, उसकी गरिमा बनाए रखने का। काकोरी कांड के शहीदों का बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को याद दिलाता रहेगा कि भारत को आजादी यूं ही नहीं मिली बल्कि इसके पीछे अनगिनत वीरों का लहू बहा है। भारत आज भी उनका ऋणी है और सदैव रहेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

यहूदी विरोधी हिंसा सिर्फ कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बड़ी सामाजिक चेतावनी भी

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

ऑस्ट्रेलिया को लंबे समय तक ऐसे बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र के रूप में देखा गया है, जहाँ विविध धार्मिक, नस्ल और सांस्कृतिक समुदायों ने अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का अनुभव किया। यहूदी समुदाय भी इस सामाजिक संरचना का सशक्त और सम्मानित हिस्सा रहा है। किंतु हाल के वर्षों में, विशेषकर साल 2023 के बाद यहूदी संस्थानों, सभास्थलों और व्यक्तियों के विरुद्ध लक्षित हिंसा की घटनाओं में वृद्धि ने इस धारणा को गंभीर चुनौती दी है। आगजनी, नफ़रत, धमकियाँ और हमलों की घटनाएँ केवल आपराधिक कृत्य नहीं हैं बल्कि वे ऑस्ट्रेलियाई समाज में बढ़ते ध्रुवीकरण, असहिष्णुता और असुरक्षा की गहरी परतों को उजागर करती हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यहूदी विरोधी हिंसा क्यों बढ़ रही है और शासन व्यवस्था आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नागरिक स्वतंत्रता का संतुलन कैसे बनाए।

यहूदी विरोधी हिंसा के उभार को समझने के लिए सबसे पहले वैश्विक भू-राजनीतिक संदर्भ पर ध्यान देना आवश्यक है। इज़राइल-ग़ाज़ा संघर्ष जैसे अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रह गए हैं। डिजिटल मीडिया और वैश्विक सूचना प्रवाह के कारण इनका प्रभाव दूरस्थ समाजों तक तत्काल पहुँचता है। ऑस्ट्रेलिया में भी इस संघर्ष ने भावनात्मक ध्रुवीकरण को जन्म दिया है, जहाँ विदेश नीति या सैन्य कार्रवाइयों की आलोचना कई बार यहूदी समुदाय के सामूहिक दोषारोपण में बदल जाती है। राजनीतिक असहमति और धार्मिक-जातीय पहचान के बीच की यह रेखा धुंधली पड़ना यहूदी विरोधी हिंसा को वैचारिक वैधता प्रदान करता है।

इसके साथ ही चरमपंथी विचारधाराओं का विस्तार एक गंभीर कारक बनकर उभरा है। दक्षिणपंथी अतिवाद, श्वेत वर्चस्ववादी सोच और कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क लंबे समय से यहूदियों को षड्यंत्र सिद्धांतों से जोड़ते रहे हैं। डिजिटल युग में इन विचारों का प्रसार तेज़ और व्यापक हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और ऑनलाइन फ़ोरम ऐसे 'इको-चैम्बर्स' बनाते हैं, जहाँ नफ़रत को सामान्य व्यवहार की तरह प्रस्तुत किया जाता है। जब व्यक्ति लगातार एक ही प्रकार की भड़काऊ सामग्री देखता है तो हिंसा धीरे-धीरे वैध और आवश्यक प्रतिक्रिया के रूप में चित्रित होने लगती है। दुष्प्रचार और साजिश की कथाएँ भी यहूदी विरोधी हिंसा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐतिहासिक रूप से यहूदियों को आर्थिक संकटों, महामारी और राजनीतिक अस्थिरता के लिए दोषी ठहराने की प्रवृत्ति रही है। आधुनिक समय में यही प्रवृत्ति सोशल मीडिया के माध्यम से नए रूप में सामने आती है। कोविड-19 महामारी, वैश्विक आर्थिक मंदी या अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से जुड़ी जटिलताओं को यहूदी समुदाय से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। बार-बार दोहराए जाने पर ये झूठे आख्यान सामाजिक चेतना में स्थान बना लेते हैं और हिंसा के लिए मानसिक आधार तैयार करते हैं। आंतरिक सुरक्षा ढांचे की कुछ संरचनात्मक कमजोरियाँ भी इस समस्या को गहराती हैं। हाल की घटनाओं ने यह सवाल उठाया है कि हथियार लाइसेंसिंग प्रणाली, मानसिक स्वास्थ्य आकलन और खुफिया निगरानी कितनी प्रभावी है। यदि संभावित हिंसक प्रवृत्तियों के संकेत समय रहते पहचान में न आएँ तो तथाकथित 'लोन वुल्फ' हमले गंभीर नुकसान पहुँचा सकते हैं। यह केवल पुलिस की विफलता नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था को चुनौती है, जहाँ जोखिमों का पूर्वानुमान और समय पर हस्तक्षेप अत्यंत आवश्यक होता है।

इन परिस्थितियों में शासन के सामने आंतरिक सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। लोकतांत्रिक समाज में सुरक्षा का अर्थ केवल कठोर कानून और निगरानी नहीं हो सकता। राज्य की पहली जिम्मेदारी कानून के शासन को बनाए रखना है, जिसमें घृणा अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई शामिल है। यहूदी विरोधी हिंसा के मामलों में सख्त अभियोजन और दंड का स्पष्ट संदेश देना आवश्यक है कि समाज में नफ़रत और हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। साथ ही, पीड़ितों को न्याय और सहायता उपलब्ध कराना विश्वास बहाली के लिए अनिवार्य है। खुफिया तंत्र का समन्वय आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ है। संघीय और राज्य स्तर की एजेंसियों के बीच सूचना साझा करने में देरी या असंगति संभावित खतरों को अनदेखा कर सकती है। ऑनलाइन कट्टरपंथ की निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों का विश्लेषण और समय रहते हस्तक्षेप- ये सभी उपाय आवश्यक हैं। किंतु यह निगरानी लक्षित और अनुपातिक होनी चाहिए। अंधाधुंध निगरानी न केवल नागरिकों की गोपनीयता का उल्लंघन करती है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास भी पैदा कर सकती है।

अंततः, ऑस्ट्रेलिया में बढ़ती यहूदी विरोधी हिंसा केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं है बल्कि यह सामाजिक चेतावनी भी है। यह दिखाती है कि वैश्विक ध्रुवीकरण, डिजिटल दुष्प्रचार और आंतरिक कमजोरियाँ मिलकर किस प्रकार लोकतांत्रिक समाजों को अस्थिर कर सकती हैं। इसका समाधान न तो केवल सख्त कानूनों में है और न ही पूर्ण उदारता में बल्कि संतुलित, अधिकार-सम्मत और समुदाय-केंद्रित रणनीति में निहित है। लक्षित पुलिसिंग, एकीकृत खुफिया तंत्र, जिम्मेदार डिजिटल नियमन और सामाजिक संवाद- इन सभी के माध्यम से नफ़रत से जुड़े अपराधों का प्रभावी मुकाबला किया जा सकता है। जब अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता एक-दूसरे को सुदृढ़ करती हैं, तभी बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ बन पाता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

लाइफ स्टाइल से हो सकता है यूरिक एसिड का इलाज, जरूरी हो तब लें दवा

यूरिक एसिड एक गंभीर समस्या है जिससे बहुत से लोग पीड़ित रहते हैं। यह गंदा पदार्थ है जो खून में इकठ्ठा होता है और बाद में जोड़ों में जमा हो जाता है और छोटी पथरी का रूप लेकर गाउट का कारण बनता है। बहुत से लोग बिना जरूरत के यूरिक एसिड की दवाएं लेने लगते हैं। खून की जांच में यूरिक एसिड थोड़ा बढ़ा हुआ दिखता है और तुरंत दवा शुरू कर दी जाती है।

सीनियर रुमेटोलॉजिस्ट डॉक्टर राजीव रंजन कुमार का मानना है कि सिर्फ यूरिक एसिड बढ़ा होने से ही दवा लेना जरूरी नहीं होता। जब तक यूरिक एसिड से शरीर को कोई नुकसान नहीं हो रहा और कोई लक्षण नहीं हैं। करीब 90 फीसदी लोगों में लाइफस्टाइल और खानपान सुधारने से ही यूरिक एसिड कंट्रोल हो सकता है। यूरिक एसिड कैसे कम करें? डॉक्टर का कहना है कि दवा शुरू करने से पहले प्राकृतिक तरीकों को अपनाना बहुत जरूरी है। सही डाइट, रेगुलर एक्सरसाइज, पर्याप्त पानी और हेल्दी लाइफस्टाइल से ज्यादातर लोग बिना दवा के ही यूरिक एसिड कंट्रोल कर सकते हैं। दवा तभी लें, जब डॉक्टर इसकी सलाह दें।

कब दवा जरूरी होती है: डॉक्टर ने बताया कि अगर यूरिक एसिड लेवल 8.0 से ऊपर चला जाए, जोड़ों में तेज दर्द, सूजन, गाउट अटैक, किडनी से जुड़ी परेशानी जैसी समस्याएं हों, तब डॉक्टर दवा देने की सलाह देते हैं। लेकिन जिन लोगों का यूरिक एसिड 6 से 8 के बीच है और कोई लक्षण नहीं हैं, वे प्राकृतिक तरीकों से इसे कम कर सकते हैं।

डाइट का रखें ध्यान: यूरिक एसिड बढ़ने की सबसे बड़ी वजह गलत खानपान है। हाई प्यूरिन वाली चीजें यूरिक एसिड को बढ़ाती हैं। इनमें नॉनवेज, खासकर रेड मीट, मीट प्रोडक्ट्स और शराब शामिल हैं। इसके अलावा मिठाइयां, केक, पेस्ट्री और ज्यादा मीठी चीजें भी नुकसान करती हैं। इसलिए मीठा और नॉनवेज कम से कम लेना चाहिए। विटामिन सी से भरपूर फल जैसे संतरा, चेरी, बेरीज और टमाटर यूरिक एसिड को कम करने में मदद करते हैं। दूध और दूध से बने लो-फैट प्रोडक्ट्स भी यूरिक एसिड घटाने में फायदेमंद होते हैं।

डॉक्टर के अनुसार, जो लोग अधिकतर समय बैठे रहते हैं और एक्सरसाइज नहीं करते, उनमें यूरिक एसिड बढ़ने का खतरा ज्यादा रहता है। रोजाना कम से कम 45 मिनट से 1 घंटे की ब्रिस्क वॉक या हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करने से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है और यूरिक एसिड धीरे-धीरे कम होने लगता है। शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। आपको गर्मियों में रोजाना करीब 10 गिलास और सर्दियों में 6-8 गिलास पानी पीना चाहिए। ज्यादा पानी पीने से पेशाब के रास्ते यूरिक एसिड बाहर निकल सकता है। शराब, कोल्ड ड्रिंक्स और आर्टिफिशियल मीठे जूस से पूरी तरह बचना चाहिए क्योंकि ये यूरिक एसिड को तेजी से बढ़ाते हैं। वहीं ग्रीन टी, ब्लैक कॉफी और एप्पल साइडर विनेगर सीमित मात्रा में लेने से फायदा मिल सकता है। डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां भी यूरिक एसिड बढ़ने की बड़ी वजह बनती हैं। डायबिटीज में मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे यूरिक एसिड बढ़ता है।

सुविचार

'शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।'
- नेल्सन मंडेला

कॅरियर ऑप्शन

इंडियन कोस्ट गार्ड : समुद्री सीमा और तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा का बेहतरीन अवसर

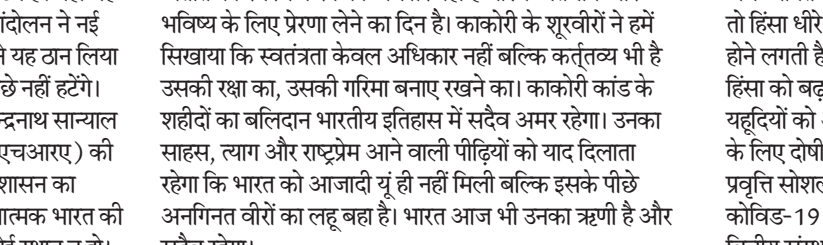

इंडियन कोस्ट गार्ड में करियर बनाना एक अच्छा ऑप्शन है। इसमें जाकर आप समुद्री सुरक्षा, नौसेना सहायता, और इमरजेंसी रिस्पांस में योगदान दे सकते हैं। इंडियन कोस्ट गार्ड एक भारतीय सिक्योरिटी फोर्स है। यह भारतीय समुद्री सीमा और तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा और नौसेना सहायता के लिए जिम्मेदार है। इसकी स्थापना दिसंबर 1977 में हुई थी और यह भारतीय सैन्य और नौसेना के साथ मिलकर समुद्री सुरक्षा में योगदान करती है।

इंडियन कोस्ट गार्ड हर साल विभिन्न पदों पर भर्तियां करता है। कोस्ट गार्ड में सेलर के पद पर एंट्री होती है। इसके लिए एज लिमिट 18 से 22 साल है। इंडियन कोस्ट गार्ड में सबसे बड़ी पोस्ट डायरेक्टर जनरल की होती है। कोस्ट गार्ड के डायरेक्टर जनरल का पद 3 स्टार रैंक का ऑफिसर होता है। इसमें कमांडेंट, असिस्टेंट कमांडेंट और इंजीनियर जैसे पद भी शामिल होते हैं। इंडियन कोस्ट गार्ड, सेलर पद के उम्मीदवारों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। योग्य उम्मीदवार इंडियन कोस्ट गार्ड की आधिकारिक साइट join Indiancoastguard.cdac.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कोस्ट गार्ड में करियर बनाने के लिए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरा करना होता है। इसमें फिजिकल और मेंटल एबिलिटीज, आयु सीमा, शिक्षा का स्तर और अन्य क्राइटेरिया शामिल हो सकते हैं। कोस्ट गार्ड की नौकरियों के लिए अप्लाई करना होता है। यह कभी ऑनलाइन या कभी ऑफलाइन मोड़ में हो सकता है। आप आवश्यक जानकारी और डाक्यूमेंट्स के साथ अप्लाई करें। किसी भी पोस्ट के लिए अप्लाई करने से पहले उसके नोटिफिकेशन को जरूर पढ़ लें। उसमें दिए गए प्रोसेस के अनुसार लिखित परीक्षा, शारीरिक परीक्षण, इंटरव्यू या मेडिकल परीक्षण के लिए तैयार रहें। कोस्ट गार्ड की नौकरियों में साहस, और जिम्मेदारी से काम करना होता है, और इसमें समुद्री सुरक्षा, जीवन बचाव, और तटीय सुरक्षा में योगदान करने का अवसर मिलता है।

AI अपडेट

जेल में लगेगा खास सर्विलांस सिस्टम, कैदियों पर नजर के साथ अफसरों को करेगा अलर्ट

AI का इस्तेमाल भारत समेत दुनिया में तेजी से बढ़ रहा है। अब इससे निगरानी सिस्टम भी बनाए जा रहे हैं। कर्नाटक के जेल डायरेक्टर जनरल अलोक कुमार ने हाल ही में जेलों में सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। वे जेलों में AI पर आधारित निगरानी सिस्टम लगाने की योजना बना रहे हैं। इस सिस्टम की टेस्टिंग शुरू हो चुकी है। यह सिस्टम कैमरों को इतना तेज बना देगा कि वे खुद ही गलत गतिविधियों को पहचानकर अधिकारियों को अलर्ट दे सकें। इससे जेलों में होने वाले अवैध कामों पर तुरंत रोक लग सकेगी। इस एआई सिस्टम को ऐसे गार्ड के तौर पर देखा जा रहा है, जो कभी थकता नहीं है।

नॉर्मल CCTV से अलग है AI सिस्टम: मातृभूमि डॉट कॉम की एक रिपोर्ट बताती है कि साधारण सीसीटीवी कैमरे सिर्फ रिकॉर्डिंग करते हैं। उन्हें देखने के लिए इंसान को घंटों स्क्रीन के सामने बैठना पड़ता है। कई कैदियों की हरकतों पर नजर रखना मुश्किल होता है। इंसान थक जाता है, ध्यान भटक जाता है, ऐसे में कैमरे की रिकॉर्डिंग देखते हुए कुछ न कुछ छूट जाता है। लेकिन एआई वाला सिस्टम अलग है। यह कैमरों की मदद से लगातार वीडियो देखता है, अबनॉर्मल हरकतों को पहचानता है, जैसे कोई कैदी गलत जगह जा रहा हो या कोई अजीब चीज दिखे। यह खुद ही अलार्म बजा देता है। इससे जेल कर्मचारियों को हर पल सब कुछ देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

यह तकनीक नई नहीं है। अमेरिका के कई राज्यों की जेलों में एआई से जेलों में नजर रखी जाती है, कैदियों की गतिविधियां ट्रैक की जाती हैं और हथियारों को पहचाना जाता है। ब्रिटेन में भी ऐसा ही एआई सिस्टम है। सिंगापुर में एआई कैमरे भीड़ को देखकर दंगे की आशंका पहले ही बता देते हैं। चीन में चेहरा पहचानने और व्यवहार देखने वाले सिस्टम बड़े पैमाने पर लगे हैं, लेकिन वहां निजता की चिंता ज्यादा है। भारत में भी कुछ जेलों जैसे तिहाड़ में एआई निगरानी करने की प्लानिंग हो रही है।

इस तकनीक से जेलों में कई फायदे होंगे। भागने की कोशिश करने वाले कैदियों पको तुरंत पकड़ा जा सकेगा।

कैदियों के बीच झगड़ा शुरू होने से पहले ही रोक लिया जाएगा। मोबाइल, हथियार या ड्रग्स जैसी चीजें आते ही पता चल जाएंगी। अगर कैदी इकट्ठे हों तो दंगे की प्लानिंग पर रोक लगेगी। जेलों में कर्मचारियों की कमी है, ऐसे में यह सिस्टम अतिरिक्त सुरक्षा देगा। भारत में इस सिस्टम को लगाना आसान नहीं। एआई को सिखाने के लिए ढेर सारा डेटा चाहिए। हमारी जेलों में सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियां होती हैं, जरूरी है कि यह सिस्टम उन्हें खतरा न समझे। इसकी लागत भी ज्यादा है, रखरखाव में भी काफी खर्च आता है। इसके इतर, एआई में गड़बड़ी हो सकती है या गलत तरीके से इस्तेमाल भी हो सकता है।

निशाना

ख़रीदे कौन आंसू दर्द..!

महेश अग्रवाल

ये' तन का पुल पुराना है बहुत पुख्ता नहीं है
मगर जो हौसला है वह कभी मरता नहीं है
खरीदे कौन आंसू दर्द आहें सिसकियों को
ये' सरमाया हमारा है कहीं बिकता नहीं है
हज़ारों 'धूलिकण' मिलकर भले ही चीखते हों
मगर पर्वत बहुत बहरा है यह सुनता नहीं है
दिया जाता रहा है झुनझुना हमको खुशी का
मगर अफ़सोस है यह झुनझुना बजता नहीं है
शराफत की करेंसी है तो फिर कुछ भी खरीदो
ये' सिक्का तो किसी टकसाल में ढलता नहीं है
शहीदों का लहू है मत कहो तुम तेल इसको
हजारों आंधियों से यह दिया बुझता नहीं है
उसे तो राज सिंहासन की आदत हो गई अब
हमारी आस्तीनों में वो' अब पलता नहीं है।

न्यूज विंडो

खेल प्रतियोगिताओं में स्कूली छात्र-छात्राओं ने लिया भाग

गंजबासौदा। सुभाष निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल में खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिताएं प्री प्राइमरी, प्राइमरी, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक सभी कक्षाओं के लिए हो रही है. जहां एक और प्री प्राइमरी के बच्चों के लिए स्पून रेस, बैग रेस, चेयर रेस, बैलून जंपिंग जैसी प्रतियोगिताएं हो रही हैं. वहीं प्राइमरी के बच्चों के लिए दौड़, शतरंज, रस्साकशी, जैसी प्रतियोगिताएं हो रही है. इसी प्रकार माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए खो-खो, कबड्डी के साथ-साथ रस्साकशी, एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं, दौड़, भाला फेंक, डिस्क थ्रो एवं अन्य कई प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। जिसमें विद्यार्थियों को इन सब प्रतियोगिताओं में कई स्तरों पर पुरस्कृत किया जाएगा।

हॉकी प्रतियोगिता में अमर ज्योति इटारसी ने रामपुर को 7-0 से रौंदा

इटारसी। अखिल भारतीय महात्मा गांधी स्मृति हॉकी प्रतियोगिता का पांचवां दिन पूरी तरह से होम बॉय ओलंपियन विवेक सागर के नाम रहा। भारतीय टीम के उपकप्तान विवेक सागर जैसे ही अपने स्थानीय क्लब अमर ज्योति की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरे, दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया। उनकी मौजूदगी में इटारसी की टीम ने रामपुर उत्तरप्रदेश को 7-0 के भारी अंतर से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में अपनी धाक जमा दी। दिन के अंतिम और सबसे प्रतीक्षित मुकाबले में अमर ज्योति क्लब इटारसी ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। विवेक सागर की कप्तानी और मार्गदर्शन में मयंक जेम्स, अंकित, शान गिडियन और प्रदीप ने एक के बाद एक गोल दागकर रामपुर की रक्षापंक्ति को ध्वस्त कर दिया। विवेक सागर को अपने बीच पाकर न केवल स्थानीय खिलाड़ी रोमांचित थे, बल्कि दर्शकों ने भी हर पास और गोल पर जमकर तालियां बजाईं। साउथ-ईस्ट-सेंट्रल रेलवे बिलासपुर का दबदबा -पहले मैच में रेलवे बिलासपुर ने सैफई उत्तप्रदेश को 6-0 से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। रोमांचक शूट-आउट- दूसरे मैच में एनसीआर प्रयागराज और राजनांदगांव के बीच कांटे की टक्कर रही। निर्धारित समय तक मैच 3-3 की बराबरी पर था, लेकिन पेनाल्टी शूट-आउट में प्रयागराज ने 3-1 से बाजी मार ली। तीसरे मैच में पानपोस राउरकेला ओडिशा ने कड़े संघर्ष के बाद साई बरेली को 1-0 से मात दी। मैच के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में नर्मदापुरम के पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा ए.एस. थोटा, विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, प्रांतीय संगठन मंत्री सुरेन्द्र सोलंकी और नपा अध्यक्ष पंकज चौरे मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया और विवेक सागर जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी की स्थानीय टूर्नामेंट में भागीदारी की सराहना की।

मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हुआ उत्खनन, सोते रहे जिम्मेदार

रिन्यूएबल पार्क की जमीन पर भसुआ मिट्टी खनन का कारोबार जोरों पर, उत्खनन क्षेत्र का बनाया नक्शा, जांच शुरू

मंगेश यादव। नर्मदापुरम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार औद्योगिक विकास के दावों के बीच जिले के मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में भसुआ मिट्टी के अवैध खनन का नया कारोबार फल-फूल रहा रहा था खनन और औद्योगिक विभाग कुम्भकर्ण की नींद में सोते रहे, लेकिन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर खबर फैलते ही सरकारी तंत्र में हड़कंप मच गया। हड़कंप मचने के बाद अब वही जांच का नया चेप्टर शुरू हो गया है जैसा हर बार होता आया है।

सूत्रों के अनुसार मोहासा औद्योगिक क्षेत्र के रिन्यूएबल एनर्जी पार्क की आरक्षित भूमि पर बड़े पैमाने पर भसुआ मिट्टी का अवैध उत्खनन हुआ। उत्खनन वाली जगह एमपीआईडीसी प्लॉट नंबर 18 प्रीमियर एनर्जी को आवंटित है। गुरुवार को माखननगर नायब तहसीलदार अंकित मौर्य के नेतृत्व में राजस्व अमला, एमपीआईडीसी और खनिज विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे।तीनों विभागों का संयुक्त दल शाम तक जांच करता रहा। निरीक्षक कृष्णा परस्ते अपनी टीम के साथ दिनभर मौके पर नाप-तौल करती रहीं। राजस्व अमले ने उत्खनन वाले हिस्से का माप लिया, जबकि खनिज विभाग अब आंकलन कर रहा है कि कितने क्षेत्र में कितनी मात्रा में उत्खनन हुआ। जांच रिपोर्ट तहसील कार्यालय में तैयार कर एसडीएम को भेजी जा रही है, उसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।मामला उजागर होने से एमपीआईडीसी में हलचल मच गई। अधिकारी और कर्मचारी जानने में जुटे हैं कि महत्वपूर्ण आरक्षित क्षेत्र में माफिया की गतिविधियां कैसे चलती रहीं और विभाग को भनक तक न लगी। औद्योगिक विकास के दावों के बीच यह घटना विभागीय लापरवाही को पूरी तरह उजागर कर रही है। वही अब अधिकारी अब कह रहे है कि जांच के बाद कार्रवाही कि जायेगी। जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम नें का कहना है कि टीम नें उत्खनन क्षेत्र का नक्शा बनाया है और मात्रा का आकलन किया जा रहा है। जांच के बाद कार्रवाई होगी। वहीं एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक महेंद्र वर्मा भी जांच रिपोर्ट के आने का इंतजार क़र रहे है उनका भी कहना है कि मौक़े पर अवैध खनन कि जांच के लिये अधिकारियों को भेजा गया था रिपोर्ट आने पर केस दर्ज किया जाएगा।

बिना अनुमति के जेसीबी और ट्रैक्टरों से मिट्टी का उत्खनन

जिले भर में अलग-अलग स्थानों से मिट्टी के अवैध खनन की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। पिपरिया और इटारसी के आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मिट्टी का अवैध उत्खनन हो रहा है, जिसकी वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अवैध खनन रोकने की जिम्मेदारी संभाले अधिकारी मूक दर्शक बने हुए हैं, ताकि खनन कारोबारियों को फायदा पहुंचता रहे। जानकारी के अनुसार पिपरिया तहसील के ग्राम हथवास से भोंखेड़ी खुर्द तक मोकलवाड़ा सड़क निर्माण कार्य को लेकर ठेकेदार और ग्रामीण आमने-सामने आ गए हैं। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर भोंखेड़ी खुर्द-मोकलवाड़ा क्षेत्र से मिट्टी का अवैध उत्खनन कर सड़क निर्माण में उपयोग करने का गंभीर आरोप लगाया है। ग्रामीणों के अनुसार, ठेकेदार द्वारा अवैध रूप से निकाली गई मिट्टी को सड़क निर्माण से पहले ही भराई में इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही, मिट्टी से लदे डंपरों का आवागमन सीमेंट रोड से हो रहा है, जिससे सीसी रोड को भारी नुकसान पहुंच रहा है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया है और दोनों पक्षों के बीच टकराव की स्थिति बन गई। इधर, इटारसी के निकट सोमलवाड़ा-लोहारिया क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन फिर से जोर पकड़ लिया है। बिना अनुमति के जेसीबी और ट्रैक्टरों से मिट्टी का उत्खनन चल रहा है। ग्रामीणों ने विवाद से बचने के लिए चुपचाप प्रशासन और मीडिया को सूचना देना शुरू कर दिया है, ताकि इस बेतहाशा खुदाई पर लगाम लग सके। ग्रामीणों का कहना है कि खननकर्ता रोकने पर विवाद करने और राजनीतिक ताकत दिखाने की धमकी देते हैं। सोमलवाड़ा व लोहारिया के निवासी इस अवैध गतिविधि से बेहद परेशान हैं। प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग उठ रही है।

कृषि मंडी में हुई 16299 क्विंटल की आवक, आज अमावस्या का अवकाश

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी में जोरदार आवक का जोर बना हुआ है। मंडी में 17197 क्विंटल उपज की आवक हुई थी। इसके बाद गुरूवार को भी 607 किसान 16299 क्विंटल उपज लेकर मंडी में आए। इस दौरान सबसे ज्यादा 361 किसान 11924 क्विंटल मक्का लेकर आए। जो 1295 रूपए क्विंटल से शुरू होकर 1761 रूपए क्विंटल तक बिकी। मक्का का मॉडल रेट 1500 रूपए क्विंटल रहा। इसी तरह 156 किसान 3174 क्विंटल सोयाबीन लेकर आए। जो 3010 से शुरू होकर 4155 रूपए प्रति क्विंटल बिका। इसके साथ ही मंडी में गेहूं, चना, मसूर और तिवड़ा की आवक भी हुई। आज मंडी में अमावस्या का अवकाश रहेगा।

माताओं को दी पौष्टिक आहार की जानकारी

शासकीय अस्पताल में कुपोषित बच्चों को मिला पोषण संबल

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

नगर के शासकीय अस्पताल में कुपोषण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कुपोषित बच्चों को पोषण संबल प्रदान किया गया। इस अवसर पर अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) चन्द्रशेखर श्रीवास्तव की उपस्थिति में जनसहयोग से कुपोषित बच्चों को पोषण आहार युक्त फूड बॉस्केट वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान एसडीएम चन्द्रशेखर श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चों का स्वस्थ भविष्य समाज और प्रशासन की संयुक्त जिम्मेदारी है।कुपोषण जैसी गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल सरकारी योजनाएं ही नहीं, बल्कि समाजसेवियों और आम नागरिकों का सहयोग भी बेहद जरूरी है। इसी भावना के तहत जनसहयोग से फूड बॉस्केट की

व्यवस्था की गई, जिससे कुपोषित बच्चों को घर पर ही संतुलित और पौष्टिक आहार मिल सके। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रही। इस दौरान कुपोषित बच्चों की माताओं को घर में आसानी से उपलब्ध खाद्य सामग्री से पौष्टिक आहार तैयार करने की जानकारी भी दी गई। माताओं को दाल, अनाज, हरी सब्जियां, फल, दूध एवं अन्य स्थानीय पोषक तत्वों के सही उपयोग के बारे में समझाया गया, ताकि बच्चे नियमित रूप से पौष्टिक भोजन प्राप्त कर सकें। उल्लेखनीय है कि रायसेन जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिलेभर में कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें समाजसेवियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों और जनसहयोग से पोषण आहार युक्त फूड बॉस्केट वितरित किए जा रहे हैं।

मंत्री शाह के पुतले की जीभ काटकर महिला कांग्रेस ने की नारेबाजी

इटारसी। दोपहर मेट्रो

शहर के जयस्तंभ चौक पर महिला कांग्रेस का अनूठा प्रदर्शन चर्चा का विषय बना। कांग्रेस नेत्री अधिवक्ता नेहा चावरे ने बड़ी संख्या में महिलाओं को एकत्रित कर मंत्री विजय शाह का पोस्टर बनाया जिसमें लगभग 10 फीट लंबी जीभ बनाई गई। कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं ने पहले जीभ के ऊपर लात रखकर मंत्री विजय शाह मुर्दाबाद के नारे लगाए और उसके बाद आरी से जीभ को काट दिया। इसके बाद मंत्री के पोस्टर के टुकड़े-टुकड़े करते हुए जमकर नारेबाजी की। इसके बाद मंत्री विजय शाह का पुतला भी दहन किया गया। महिला नेत्री नेहा चावरे ने बताया कि महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में मंत्री विजय शाह का विरोध हो रहा है जिसके चलते इटारसी में भी महिला कांग्रेस द्वारा प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस लाडली बहनों का अपमान नहीं सहन करेगी।

मंत्री विजय शाह हमेशा से ही विवादित और बिगड़े बोल के कारण चर्चाओं में रहते हैं, जो उनकी भाजपा की घृणित मानसिकता को दिखाता है। भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह ने जहां पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पत्नी के खिलाफ भी अमर्यादित टिप्पणी की थी तो वहीं भारतीय सेना की अफसर सोफिया कुरैशी पर भी विवादित बयान देकर सेना और महिलाओं का भी अपमान किया था। अब भाजपा के मंत्री ने लाडली बहनों के ऊपर जो टिप्पणी कर धमका कर जिस प्रकार से बयान दिया है हम उस बयान की घोर निंदा करते हैं और उनके इस्तीफा की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी जाति धर्म की बहनें समान है, सबको पात्रता का अधिकार है, भाजपा के नेता प्रलोभन देकर और वोट चोरी कर, वोट लेते हैं, डरते हैं धमकाते हैं और यह उनका घमंड बोल रहा है,

इस मौके पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नीलम गांधी ने भी जमकर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इस घटनाक्रम से भाजपा की मानसिकता उजागर होती है। आफरीन कुरैशी ने कहा कि महिलाओं के हिजाब को हाथ लगाकर गंदी सोच के साथ छूते हैं। एक नेता तो कह रहा था कि कहीं और तो नहीं छुआ इस प्रकार की गंदी सोच वाले भाजपा के नेता को सबक सिखाना जरूरी है। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवाकांत पांडे, नगर अध्यक्ष कन्हैया गोस्वामी, ग्रामीण नगर अध्यक्ष अनुराग मलैया, युवक कांग्रेस प्रवक्ता गुफरान अंसारी, पूर्व नगर अध्यक्ष मयूर जायसवाल सहित सेवादल के जिलाध्यक्ष अमित गुप्ता ने भी भाजपा के खिलाफ जमकर हल्ला बोला और महिलाओं के साथ हर संघर्ष में साथ रहकर लड़ने का भी आश्वासन दिया। विरोध प्रदर्शन के अवसर पर प्रमुख रूप से महिला नेत्रियों में नीलम गांधी, सुचिता मालवीय, विनीत बस्तरवार, सरिता राव, मलका, भूरी वंशकार, पूजा मेहरा, आफरीन कुरैशी, रज्जो, नैना, साहिबा,नूरजहां, नगीना,हिना बी, शाह जहां, भूरी बी, रिहाना बी, भगवती राधा व अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने दी प्रस्तुति

इटारसी। दोपहर मेट्रो

वर्धमान पब्लिक स्कूल में भारत के रंग - वर्धमान के संग शीर्षक से एक भव्य एवं ज्ञानवर्धक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 1 से 6 तक के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने भारत के विभिन्न प्रदेशों की आकर्षक झांकियाँ (स्टॉल) तैयार कीं। प्रत्येक स्टॉल पर बच्चों ने संबंधित प्रदेश की संस्कृति, लोक नृत्य, भजन, परंपराएँ तथा वहाँ मनाए जाने वाले प्रमुख त्योहारों की जानकारी अभिभावकों को विस्तारपूर्वक दी साथ ही साथ बच्चों ने इस प्रदेश की भाषा में अभिभावकों से बात भी की जैसे कर्नाटक राज्य के बच्चों ने कन्नड़ में बात की तो वहीं केरल के बच्चों ने मलयालम में बात की। एक ओर जहाँ स्टॉल के माध्यम से विद्यार्थी संबंधित राज्य की भाषा, संस्कृति और परंपराओं के बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे थे, वहीं दूसरी ओर मंच पर

प्रत्येक प्रदेश के लोक नृत्यों की सुंदर प्रस्तुतियाँ दी जा रही थीं। समापन पर वर्धमान विद्यालय प्रबंधन के प्रशांत जैन रचना प्रशस्ति पूजा पटेल ,आर रेज़ी ने सभी सम्मानित अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। यह आयोजन न केवल मनोरंजक रहा, बल्कि विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

महामहिम राष्ट्रपति ने किया ओम प्रकाश बकोरिया को सम्मानित

इटारसी। दोपहर मेट्रो

देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपति मुरमू ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर इटारसी के बम्हनगांव में प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करने वाले आईएएस ओमप्रकाश बकोरिया की ऊर्जा संरक्षण अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। गौरतलब है आईएएस ओमप्रकाश बकोरिया का बाल्यकाल इटारसी के समीप ग्राम बम्हनगांव निवासी बीपी बकोरिया के पुत्र है और उनकी प्रारंभिक शिक्षा पांचवीं तक का अध्ययन उन्होंने गांव की प्राथमिक शाला किया। आज श्री बकोरिया महाराष्ट्रऊर्जा विकास अभिकरण के महानिदेशक के पद पर आसीन है श्री बकोरिया को देश की महामहिम राष्ट्रपति के द्वारा सम्मानित किए जाने पर संतराम बकोरिया सहित बकोरिया परिवार ने इस उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मेट्रो एंकर

कोरियोग्राफर प्रियंका शर्मा ने निभाया गोंडवाना साम्राज्य की रानी दुर्गावती का किरदार

वीरांगना के साहस, स्वाभिमान और आत्मसम्मान की दी मनमोहक प्रस्तुति

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मुगल साम्राज्य के खिलाफ अदम्य इच्छाशक्ति के साथ युद्ध लड़ने वाली नारीशक्ति की प्रतीक महारानी दुर्गावती के शौर्य को केरियोग्राफर प्रियंका शर्मा ने मुक्ताकाश जीवंत कर दिया। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित जननायक कार्यक्रम के लिए बनाए गए केडीबीएम कॉलेज में बनाए गए 36 वाया 40 के मंच पर 45 कलाकारों ने अपनी कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपनी मातृभूमि, स्वाभिमान तथा आत्म सम्मान के लिए प्राणों का बलिदान करने वाली रानी दुर्गावती के जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों को 1 घंटे 27 मिनट की नाट्य प्रस्तुति में सार्थक किया। 18 साल की आयु में गड़ा कटंगा के गोंड राजा संग्राम शाह के पुत्र दलपत शाह से विवाह हुआ था। पति की मृत्यु के बाद

रानी ने 16 वर्षों तक अपने वीरता के साथ अपने साम्राज्य की रक्षा की और अंत में वीरगति को प्राप्त हुईं।

तीन दिवसीय कार्यक्रम के कोआर्डिनेटर प्रभाकर द्विवेदी ने बताया कि सनातन और अपनी संस्कृति को बचाए रखने के लिए गोंड राजाओं के संघर्ष से आम नागरिकों को अवगत कराने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। निर्देशक रामचंद्र मिश्रा के निर्देश में तीनों दिन नृत्य नाटिकाएं सम्पन्न हुईं। 45 सदस्यीय कलाकारों के दल में अनेक कलाकार नाट्य विद्यालय के प्रशिक्षित भी हैं। जो देश के अनेक मंचों पर नाट्य कला की प्रस्तुति दे चुके हैं। इन कलाकारों के साथ ही 20 ऐसे सदस्य भी हैं। जो परदे के पीछे रहकर बेहतरीन साउंड सहित अन्य व्यवस्था जुटा रहे हैं। इन्हीं की वजह से आयोजन को भव्यता मिलती है।

वन अमला जंगलों में जानवरों के पगचिह्न खोजने में लगा -2 चरणों में हो रही है गणना

उप वनमंडल के रेंजों में बाघों के साथ मांसाहारी और शाकाहारी जानवरों की भी गणना शुरु

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

प्रदेश भर के सामान्य वन मंडलों में बाघों की गणना शुरू हो गई है। दमोह जिले के जंगली क्षेत्र में गुरुवार से यह गणना आरंभ हुई। वन अमला अपनी बीटों में पहुंचा और मांसाहारी जानवरों की खोजबीन शुरू की। तेंदूखेड़ा ब्लॉक में चार रेंज वन मंडल की हैं। इन बीटों में कई तरह के जंगली जानवर हैं। तेंदूखेड़ा, तेजगढ़, झलोन और तारादेही रेंज में की बाघ गणना की गई।

वनकर्मी अपनी अपनी बीटों में पहुंचे, जानवरों के पदमार्गों की जांच पड़ताल की। झलौन तारादेही में कोई बड़ा मांसाहारी जानवर दिखाई नहीं दिया है। तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र में कई तरह के

जंगली जानवरों के पदमार्ग मिले कुछ बीटों में जानवर दिखे भी। बाघ गणना तीन दिन होनी है। जिसमें मांसाहारी जानवर भी गणना में शामिल है और बाकी तीन दिन शाकाहारी जानवरों की गणना होनी है। जिनकी पुष्टि वनकर्मियों द्वारा की गई।सर्किल बगदरी में सुबह भालू बिघना दिखाई दिए। जबकि दूसरी बीटों में भालू के साथ सियार होने की पुष्टि हुई हैं। तेंदूखेड़ा उप वनमंडल अधिकारी प्रतीक दुबे भी बाघ गणना के पहले दिन तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र की बीट सहजपुर पहुंचे। उन्होंने वनकर्मियों से गणना के संबंध में जानकारी ली गई

मांसाहारी वन्य प्राणियों की गणना करने बीट गार्ड को 5 किमी और शाकाहारी वन्य प्राणियों की गणना के लिए 2 किमी ट्रांजिट लाइन पर चलना होगा इस तरह तीन दिन में एक बीट अलग-अलग स्थानों पर 15 किमी चलना होगा शाकाहारी वन्य प्राणियों की गणना में के लिए प्रत्येक बीट में 2 किमी चलना होगा इस तरह तीन दिन में एक बीट में 6 किमी चलना होगा।

ट्रांजिट लाइन अनुसार चल रही गणना

अखिल भारतीय बाघ आंकलन में देहरादून में स्थित वाइल्ड लाइफ इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया ने वन्य प्राणियों की गिनती के लिए ट्रांजिट लाइन तय कर रखी है उसके आधार पर ही गणना होनी है जिन स्थानों पर वन्य प्राणियों के मिलने की संभावना रहती है वहीं से यह ट्रांजिट लाइन गुजरेगी। जिसकी लोकेशन देहरादून से एम-स्ट्राइप्स इकोलॉजिकल एप के माध्यम से जीपीएस के जरिए दी जा रही है। गणना में वन्य प्राणियों की सही संख्या का पता चल सके इसके लिए इस बार पूरी गणना ट्रांजिट लाइन पर जीपीएस लोकेशन के आधार पर की जा रही है।

टीम ने 15-15 मीटर व्यास के गोले बनाकर मार्किंग की

पिछली गणना में कुछ पार्ट मैन्युअली होता था जिसे इस बार हटा दिया है। गणना के लिए मोबाइल एप में जीपीएस रीडिंग पहले से फीड है। उसके मुताबिक ही हर बीट में 400-400 मीटर के अंतर पर 15-15 मीटर व्यास के गोले बनाकर मार्किंग की गई है। मांसाहारी वन्य प्राणियों की गणना पगमार्क, पेड़ पर खरोंच, विस्टा व स्पष्ट दिखाई देने के आधार पर की जाएगी दुबे ने बताया तेंदूखेड़ा ब्लॉक में चार रेंज हैं सभी में जंगली जानवर हैं। पहले दिन मांसाहारी जानवर होने के पदमार्ग मिले हैं। दो दिन और लगातार अलग अलग क्षेत्र में खोजबीन करनी है। वहीं तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रेयांस जैन ने बताया तीन दिन शाकाहारी जानवरों की जानकारी एकत्रित करनी है पहले दिन तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र में कुछ जगह जंगली जानवर दिखे हैं।

न्यूज विंडो

प्रतियोगिता में सांदीपनि विद्यालय ने प्रदेश में हासिल किया प्रथम स्थान

महेश्वर। पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में पूरे मध्यप्रदेश में महेश्वर के शासकीय सांदीपनि विद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से कुल 52 टीमों ने भाग लिया, जिनमें शासकीय एवं निजी विद्यालयों के प्रतिभागी शामिल थे। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच खरगोन जिले से चयनित शासकीय सांदीपनि विद्यालय महेश्वर की टीम ने 130 अंक अर्जित कर पहला स्थान हासिल किया और इतिहास रच दिया। प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों मयंक रावल, श्रद्धा मालवीया एवं अंकिता रावल ने अपनी प्रतिभा, त्वरित निर्णय क्षमता और पर्यटन विषयक गहन ज्ञान का प्रभावी प्रदर्शन किया। टीम के मार्गदर्शक शिक्षक राजकुमार शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। प्रतियोगिता में विजय प्राप्त कर जब विजेता दल गुरुवार को महेश्वर लौटा तो विद्यालय परिसर में उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख एवं प्राचार्य बिरजू गुप्ता द्वारा विद्यालय में प्रेरणा उद्बोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें थाना प्रभारी जगदीश गोयल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

विराट नगर राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए तैयारी

शहडोल। शासन स्कूल शिक्षा विभाग एवं लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार 69वीं राष्ट्रीय शालेय बास्केटबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ला जिला मुख्यालय के महात्मा गांधी स्टेडियम में 19 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे करेंगे। शुभारंभ के अवसर पर अध्यक्ष, सांसद शहडोल संसदीय क्षेत्र श्रीमती हिमाद्री सिंह, विशिष्ट अतिथि विधायक जयसिंह मरावी, श्रीमती मनीषा सिंह, शरद कोल, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती प्रभा मिश्रा, सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा,नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती फूलवती सिंह, अध्यक्ष जनपद पंचायत हीरावती कोल होगी। 19 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक चलने वाले 69वीं राष्ट्रीय शालेय बास्केटबाल प्रतियोगिता में देशभर के 30 टीमो के कुल 358 खिलाड़ी सहभागिता निभाते हुए अपने हुनर से दर्शको को रोमांचित करेंगे। उक्त प्रतियोगिता के लिए शहडोल के महात्मा गांधी स्टेडियम, गुड शेफर्ड कान्वेंट स्कूल, डाइट परिसर, शासकीय कन्या महाविद्यालय के मैदान परिसर निर्धारित किये गए है। 69वीं राष्ट्रीय शालेय बास्केटबाल प्रतियोगिता हेतु मैदान की साफ-सफाई, बैठक व्यवस्था, रंगाई पुताई, बैनर पोस्टर, पेयजल, चिकित्सा, पार्किंग जैसी अन्य सभी तैयारिया पूर्ण कर ली गई है।

लेडी डॉन का कहर: ब्यौहारी थाना क्षेत्र के बराछ गांव का सनसनीखेज मामला

पड़ोसन को घर बुलाया, फिर हाथ-पैर बांधकर बच्चों के साथ बेरहमी से पीटा

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बराछ गांव में सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपनी पड़ोसन को बहाने से घर के अंदर बुलाकर बंधक बना लिया और हाथ-पैर बांधकर उसकी बेरहमी से पिटाई की। मारपीट करने वाली महिला को इलाके में लोग लेडी डॉन के नाम से जानते हैं। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 28 वर्षीय किरण तिवारी (पति देवेंद्र तिवारी) अपने घर के बाहर टहल रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली ललिता कहार ने उसे किसी काम के बहाने अपने घर बुलाया। जैसे ही किरण घर के अंदर दाखिल हुई, ललिता ने मुख्य दरवाजा बंद कर दिया। आरोप है कि ललिता ने किरण के हाथ-पैर बांध दिए और अपने पुत्र व पुत्री के साथ मिलकर उसकी बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। मारपीट के अलावा पीड़िता ने आरोप लगाया कि ललिता ने उसका मोबाइल फोन और सोने के कान के झुमके भी छीन लिए हैं। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी महिला सामान वापस करने की बात स्वीकार कर रही है, लेकिन अब तक उसने मोबाइल और जेवर नहीं लौटाए हैं। उपनिरीक्षक मोहन पड़वार ने बताया कि किरण तिवारी की शिकायत पर ललिता कहार और अन्य के खिलाफ बंधक बनाकर मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है और आश्वासन दिया है कि आरोपी महिला के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस को बंधी मिली किरण, प्रकरण दर्ज

परिजनों की सूचना पर जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो किरण तिवारी कमरे के भीतर हाथ-पैर बंधी हुई हालत में मिली। वह मदद के लिए गुहार लगा रही थी। पीड़ित ने बताया कि ललिता कहार का गांव में काफी खौफ है और उसके खिलाफ पहले भी मारपीट के कई मामले दर्ज हैं।

पुरानी रंजिश और परिजनों से अभद्रता

पीड़िता किरण तिवारी ने बताया कि उसका ललिता से कोई प्रत्यक्ष विवाद नहीं था, लेकिन पुराने पारिवारिक मतभेदों को लेकर आरोपी महिला रंजिश रखती थी। पिटाई के दौरान किरण की चीख-पुकार सुनकर जब उसके परिजन बचाने पहुंचे, तो आरोपियों ने उनके साथ भी अभद्रता की और जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया।

गडकरी से मिलीं सांसद हिमाद्रीसिंह, हाईवे और टूरिस्ट कॉरिडोर की मांग

शहडोल। दोपहर मेट्रो

शहडोल संसदीय क्षेत्र के विकास को नई रफ्तार देने की दिशा में सांसद हिमाद्री सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उमरिया-शहडोल, अनूपपुर हाईवे के उन्नयन, टूरिस्ट कॉरिडोर के विस्तार और रिंग रोड परियोजना को लेकर विस्तार से चर्चा करते हुए क्षेत्र की आवश्यकताओं से अवगत कराया। सांसद हिमाद्री सिंह ने कहा कि उमरिया,शहडोल, अनूपपुर मार्ग के सुदृढ़ीकरण से आवागमन सुगम होगा, दुर्घटनाओं में कमी आएगी और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी। वहीं टूरिस्ट कॉरिडोर के विस्तार से बांधवगढ़, अमरकंटक सहित आसपास के पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होगी, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने शहडोल शहर के चारों ओर रिंग रोड की आवश्यकता पर भी जोर देते हुए बताया कि इससे भारी वाहनों का दबाव कम होगा, ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी और शहरी विकास को नई दिशा मिलेगी।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने प्रस्तावों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया। सांसद हिमाद्री सिंह ने विश्वास जताया कि इन परियोजनाओं के मूर्त रूप लेने से शहडोल-उमरिया अंचल में आधारभूत ढांचे का सशक्त विकास, पर्यटन को बढ़ावा और समग्र आर्थिक प्रगति सुनिश्चित होगी।

संतोष अहिरवार बने कार्यकारिणी के सदस्य

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (अभाविप) का प्रान्त अधिवेशन मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के डबरा में 14 से 16 दिसंबर तक आयोजित किया गया। इस तीन दिवसीय अधिवेशन में प्रदेशभर से आए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अधिवेशन के दौरान नगर मंत्री संतोष अहिरवार को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य घोषित किया गया। उनकी नियुक्ति पर नगर एवं आसपास के छात्र-छात्राओं में हर्ष का माहौल देखने को मिला। संतोष अहिरवार के प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य बनने पर ऋतिक सेन, दर्शना यादव, पलक मार्सफी, सचिन, आशीष जाटव, अक्षय बघेल, धनञ्जय पटेरिया, आर्यन ठाकुर सहित अनेक छात्र-छात्राओं ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाइयाँ दीं। सभी ने आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में संगठन छात्र हितों के लिए और अधिक सशक्त रूप से कार्य करेगा।

नर्मदा तट पर पक्का निर्माण, जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

मैकलपार्क क्षेत्र में निर्माण कार्य से पर्यावरण संबंधी नियमों की अनदेखी का लगाया आरोप

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

पवित्र नगरी अमरकंटक में माँ नर्मदा के उद्गम क्षेत्र के समीप स्थित मैकलपार्क क्षेत्र में किए जा रहे पक्के निर्माण को लेकर स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों में गहरी चिंता व्याप्त है। नर्मदा तट जैसे पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र में सीमेंट आधारित स्थायी निर्माण न केवल धार्मिक आस्था को आहत करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण कानूनों पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार यह निर्माण अमरकंटक इन होटल से जुड़े व्यक्ति द्वारा कराया जा रहा बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि संबंधित संचालक का नाम पूर्व में भी होटल निर्माण एवं भूमि उपयोग परिवर्तन को लेकर विवादों में आ चुका है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या वर्तमान निर्माण नगर परिषद की अनुमति, पर्यावरणीय स्वीकृति (ईसी), भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएल) तथा नर्मदा तट संरक्षण से जुड़े नियमों के अनुरूप है या नहीं।

मैकलपार्क और नर्मदा तट क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ पर्यावरणीय रूप से अति-संवेदनशील ज़ोन में आता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का स्थायी निर्माण जल स्रोतों, जैव विविधता, भू-क्षरण और प्राकृतिक प्रवाह को प्रभावित कर सकता है। इसके बावजूद यदि बिना सूचना पट्ट, अनुमति प्रदर्शन और

जनसुनवाई के निर्माण कार्य किया जा रहा है, तो यह नियमों की खुली अनदेखी मानी जाएगी।

स्थानीय नागरिकों में यह भी रोष है कि प्रशासन द्वारा समय-समय पर गरीब, आदिवासी और वंचित वर्गों के आवासों पर नियम उल्लंघन के नाम पर कठोर कार्रवाई की जाती है, जबकि प्रभावशाली लोगों के निर्माण कार्यों पर प्रशासनिक मौन देखा जाता है। इसे लेकर प्रशासन के दोहरे मापदंडों पर सवाल उठ रहे हैं। इस पूरे प्रकरण में नगर परिषद, जिला प्रशासन की निष्क्रियता भी चर्चा का विषय बनी हुई है। यदि निर्माण वैध है, तो उसकी सभी स्वीकृतियाँ सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित क्यों नहीं की गईं? और यदि अवैध है, तो अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा नर्मदा तट पर सीमेंट आधारित निर्माण हटाने और प्राकृतिक स्वरूप बनाए रखने का सार्वजनिक संकल्प व्यक्त किया गया था। ऐसे में नर्मदा तट के समीप हो रहा पक्का निर्माण शासन की घोषित नीति और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को उजागर करता है। नागरिकों की मांग है कि जिला प्रशासन तत्काल निर्माण स्थल की संयुक्त जांच कराए, सभी स्वीकृतियों और नक्शों को सार्वजनिक करे तथा नियम विरुद्ध पाए जाने पर निर्माण कार्य पर रोक लगाते हुए दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करे। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से हो। माँ नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों की अमानत हैं। उनका संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है

समनापुर धान खरीदी केंद्र पर कालाबाजारी उपज की तुलाई 40 की जगह ले रहे 41 किलो

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जिलेभर में समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जा रहा है। इसके लिए सभी जगह अलग अलग केंद्र बनाए गए हैं जहां किसानों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े लेकिन कुछ केंद्रों में किसानों से अधिक धान लेने और अवैध पैसे लेने की बात सामने आई है मामला तेंदूखेड़ा ब्लॉक के ग्राम समनापुर का जहां पर इस बार सेवा सहकारी समिति सर्रा केंद्र क्रमांक 2 द्वारा मंडी में धान खरीदी की जा रही यहां पर किसान से अवैध वसूली और मनमानी तौल का मामला सामने आया है यहां किसानों की धान मनमाने तरीके से तौली जा रही है। किसानों से प्रति क्विंटल तय मानक 40 किलो बजाय केंद्र पर 41 किलो 200 ग्राम से 41 किलो 300 ग्राम तक तौल की जा रही है इससे किसानों को हर क्विंटल पर

लगभग 1.20 से 1.30 किलो का सीधा नुकसान हो रहा है

आरोप है कि नमी के नाम पर किसानों ने ज्यादा तौल हो रही है। जबकि अगर नमी ज्यादा है तो फिर एफएक्यू क्वालिटी की नहीं होगी। इसके बावजूद नमी ज्यादा बताकर भोले-भाले किसानों की धान मनमानी तौल की जा रही है। जानकारी के मुताबिक समर्थन मूल्य पर धान 6 दिसम्बर 20 जनवरी तक की जानी है समनापुर खरीदी केंद्र में किसानों के साथ मनमानी तौल किया जा रहा है। 40 किलो धान क्रय करने के लिए बारदाने के वजन समेत 40 किलो 700 ग्राम से 41 किलो तक धान ली जा रही है। किसानों से मनमानी तौल कर नुकसान पहुंचाया जा रहा है

कार्यालय नगर पालिक निगम भोपाल

यांत्रिक विभाग, जोन क्रं - 21

क्रमांक.. 26 यां.वि. / 2025 — **निविदा आमंत्रण घोषणा - पत्र** — भोपाल, दिनांक 17/12/ 2025

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार पर्सेंटेंज मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आमंत्रीत की जाती है।

क्रं.	आनलाईन निविदा कं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	ठेकेदार श्रेणी पी. डब्ल्यू, डी पंजीकरण	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर.	कार्य की अवधि
01	2025_UAD_468494_1	CONSTRUCTION OF URINAL NEAR DOOR DARSHAN HAWKERS CORNER SHYAMLA HILLS WARD 24 ZONE 21	3,16,082/-	3, 161/-	2000/-	C" class asper centralized registration system of mppwd	MPUADD BUILDING AND ELECTRIC SOR ISSR 2021	02 माह
02	2025_UAD_469149_1	CONSTRUCTION OF URINAL NEAR PANI KI TANKI GORAGOUN WARD 26 ZONE 21	3,16,082/-	3, 161/-	2000/-	C" class asper centralized registration system of mppwd	MPUADD BUILDING AND ELECTRIC SOR ISSR 2021	02 माह
03	2025_UAD_469143_1	CONSTRUCTION OF URINAL NEAR WARD OFFICE NO 26 BARKHEDI KALAN ZONE 21	3,16,082/-	3, 161/-	2000/-	C" class asper centralized registration system of mppwd	MPUADD BUILDING AND ELECTRIC SOR ISSR 2021	02 माह

Interested bidders can view the NIT on website http:// www.mptenders.gov.in/ The Bid Document can be purchased only online from 11.00 (Time) (18.12.2025) to 17.30 P.M. (01.01.2026) Amendments to Nit, if any, would be published on website http:// www.mptenders.gov.in/only, and not in newspaper.

नि.क्र. 2833/025/026

सहायक यंत्री (सिविल)
जोन क्रं.-21 नगर निगम, भोपाल

एक हफ्ते में दो बार भारत की इंटरनेशनल शर्मिंदगी...

कोलकाता में मेसी पर बवाल, लखनऊ में क्रिकेट मैच पर धुंध!

नई दिल्ली, एजेंसी

एक ही हफ्ते में दो बड़े अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया है कि भारत में बड़े आयोजन अब सिर्फ सितारों या खेल की चमक तक सीमित नहीं रह गए हैं... अव्यवस्था और पर्यावरणीय खतरों ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय शर्मिंदगी में बदल दिया है।

एक तरफ कोलकाता में लियोनेल मेसी का दौरा, जिसे देखने के लिए लाखों फैन्स उमड़े थे, लेकिन जो दिन फुटबॉल प्रेमियों के लिए यादगार होना था, वह स्टेडियम में अफरा-तफरी और गुस्साए दर्शकों में बदल गया। दूसरी ओर, बुधवार को लखनऊ में भारत और साउथ अफ्रीका का चौथा टी20 मैच, जिस पर खेल और रोमांच की उम्मीद थी, प्रदूषण और कोहरे के कारण बिना टॉस के ही रद्द कर दिया गया।

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी त्वह्ञ India Tour 2025 के तहत 13 दिसंबर को कोलकाता पहुंचे। उनका छोटा सा दौरा अफरा-तफरी में बदल गया। साल्ट लेक स्टेडियम में मेसी महज कुछ मिनट के लिए नजर आए, लेकिन ज्यादातर फैन्स उन्हें देख भी नहीं पाए। नाराज दर्शकों ने सुरक्षा घेरा तोड़ दिया और स्टेडियम में 'कम मेसी और ज्यादा हंगामा' देखने को मिला। जो दिन फुटबॉल प्रेमियों के लिए यादगार होना था, वह अव्यवस्था और गुस्साए फैन्स में बदल गया। आयोजन प्रबंधन की खामियों ने पूरे कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी में बदल दिया।

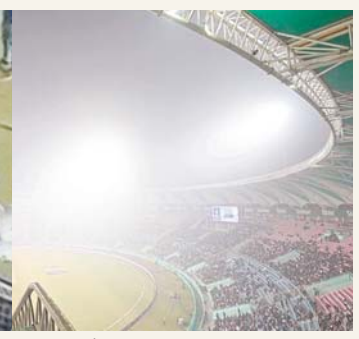

इसके चार दिन बाद ही, लखनऊ में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच सीरीज का चौथा टी20 मैच बिना टॉस के रद्द कर दिया गया। इस बार कारण खेल नहीं, बल्कि प्रदूषण और कोहरा था। लखनऊ का एयर क्वालिटी इंडेक्स खतरनाक स्तर 490 तक पहुंचने का दावा किया गया, जो खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए सीधे खतरे का संकेत है। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को वॉर्म-अप के दौरान मास्क पहने देखा गया।।। और यह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी मैदान पर आए और निरीक्षण के बाद अपनी निराशा जाहिर की। उन्होंने स्वीकार किया कि उत्तर भारत में शीतकालीन शेड्यूल पर गंभीर समीक्षा की आवश्यकता है।

मैच की शुरुआत शाम 7 बजे तय थी, लेकिन छह निरीक्षणों के बावजूद रात 9-30 बजे खेल रद्द कर दिया गया। इसके बाद दोनों टीमों को सीरीज डिसाइडर के लिए अहमदाबाद जाना पड़ा। हालांकि आधिकारिक रूप से मैच रद्द होने की वजह कोहरा ही बताई गई है।

प्रबंधन-पर्यावरण जोखिमों पर नहीं दिया गया ध्यान

इन दोनों घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की सफलता सिर्फ खेल या सितारों पर निर्भर नहीं करती। आयोजन स्थल, मौसम और पर्यावरणीय सुरक्षा उतने ही महत्वपूर्ण हैं। मेसी के दौरे में अव्यवस्था और लखनऊ में प्रदूषण ने यह साबित कर दिया कि यदि प्रबंधन और पर्यावरणीय जोखिमों पर ध्यान न दिया गया, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी तय है। बीसीसीआई और आयोजकों के लिए यह चुनौती है कि वे भविष्य में ऐसे आयोजनों को पहले से बेहतर तरीके से शेड्यूल करें।

टी20 सीरीज: भारत-साउथ अफ्रीका के बीच आखिरी मुकाबला आज

घर में 17 टी-20 सीरीज से नहीं हारा भारत साउथ अफ्रीका के पास है बराबरी का मौका

अहमदाबाद, एजेंसी

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का आखिरी मुकाबला आज अहमदाबाद में खेला जाएगा। इसी मैच के साथ साउथ अफ्रीका का 35 दिन का भारत दौरा भी समाप्त हो जाएगा। इस दौरे में प्रोटियाज टीम ने टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम की, जबकि वनडे सीरीज में उसे भारत के खिलाफ 2-1 से हार झेलनी पड़ी।

टी-20 सीरीज में फिलहाल भारत 2-1 से आगे है। हालांकि अहमदाबाद में साउथ अफ्रीका के पास सीरीज बराबर करने का सुनहरा मौका होगा। भारतीय टीम लखनऊ में ही सीरीज जीत सकती थी, लेकिन चौथा टी-20 मुकाबला घने कोहरे के कारण बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गया। अब सीरीज का फैसला अहमदाबाद के मैच में होगा। भारत घर में लगातार 17 टी-20 सीरीज से नहीं हारा है। टीम को आखिरी हार 2019 में ऑस्ट्रेलिया से मिली थी। इसके बाद 17 सीरीज खेली गई, इसमें 15 जीती और 2 ड्रॉ रही।

अहमदाबाद में कोहरे की संभावना नहीं रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार को मैच के दौरान अहमदाबाद में कोहरे की संभावना नहीं है। आसमान बिल्कुल साफ होने का अनुमान है। तापमान 16 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। यानी मैच पूरे 40 ओवर का हो सकता है। यह भारत का वो हिस्से हैं जहां नवंबर, दिसंबर और जनवरी में इंटरनेशनल क्रिकेट होना चाहिए। यहां ज्यादा ठंड नहीं होती, रोशनी ज्यादा देर तक रहती है, और कोहरा और स्मॉग की कोई समस्या नहीं हैं।

भारतीय प्लेइंग-11 में तीन बदलाव संभव

शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है। सबसे अहम बात यह है कि वह ओपनर की भूमिका में वापसी कर सकते हैं, जहां उन्होंने टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा सफलता हासिल की है। अब तक इस सीरीज में संजू सैमसन को बेंच पर ही बैठना पड़ा है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तीसरे टी20 मैच में व्यक्तिगत कारणों से नहीं खेल पाए थे। हालांकि बुमराह टीम के साथ दोबारा जुड़ चुके हैं और वो लखनऊ में भारतीय खिलाड़ियों के साथ ट्रेनिंग करते दिखे थे। अब बुमराह की आखिरी टी20 मैच के लिए प्लेइंग-11 में वापसी हो सकती है। बुमराह के मैच खेलने पर हर्षित राणा को बाहर बैठना पड़ेगा। साथ ही कुलदीप यादव की जगह वॉशिंगटन सुंदर को मौका मिल सकता है। साउथ अफ्रीका की व्हाइट-बॉल प्लेइंग इलेवन में होने वाले बदलावों को समझना हमेशा से ही मुश्किल रहा है और उससे भी ज्यादा मुश्किल यह अंदाजा लगाना होता है कि ये बदलाव क्यों किए जाते हैं। अहमदाबाद में होने वाला मुकाबला भी इससे अलग नहीं होगा, जहां साउथ अफ्रीका एक बार फिर अपनी टीम में चौंकाने वाले परिवर्तन कर सकता है।

दोनों टीमों पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल/संजू सैमसन, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अर्शदीप सिंह।

साउथ अफ्रीका: ऐडन मार्करम (कप्तान), रीजा हेंड्रिक्स, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), डेवॉल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्त्या, लुंगी एनगिडी और ओर्टनील बार्टमैन।

तिलक वर्मा भारत के टॉस स्कोरर

इस सीरीज में भारत की ओर से तिलक वर्मा सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने 3 मैचों में 114 रन बनाए हैं और स्ट्राइक रेट 114.00 का रहा है। इस दौरान तिलक ने एक अर्धशतक भी लगाया है। गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 3 मैचों में 6 विकेट झटके हैं।

मार्करम ने सबसे ज्यादा रन बनाए

अब तक हुए 23 टी-20 में साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान ऐडन मार्करम टॉप रन स्कोरर हैं। उनके नाम 104 रन हैं। इस दौरान उन्होंने एक अर्धशतक भी लगाया है। गेंदबाजी में लुंगी एनगिडी ने टीम के लिए अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने 3 मैचों में 56 विकेट लिए हैं।

पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 57% मुकाबले जीते

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच पर बल्लेबाजों को ज्यादा मदद मिलती है। इस वजह से यहां हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिल सकता है। मैदान पर टी-20 क्रिकेट का बेस्ट टीम स्कोर 234 रन है, यह भारत ने 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था। दूसरी पारी में ओस का ध्यान रखते हुए कप्तान टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला कर सकते हैं।

कपिल देव ने गौतम को कोच मानने से किया इनकार

कहा- इंटरनेशनल लेवल पर बदल गया कोच शब्द का अर्थ

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर के काम करने के तरीके और आधुनिक क्रिकेट में कोच की भूमिका पर बेबाक राय दी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 की हार के बाद गंभीर की आलोचनाओं के बीच, कपिल देव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोच शब्द का अर्थ बदल गया है। उनके अनुसार, गौतम गंभीर असल में टीम के कोच नहीं बल्कि मैनेजर की भूमिका में हैं।

कोच नहीं सिखा सकता लेग-स्पिन या कीपिंग

इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम में कपिल देव ने तर्क दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ खिलाड़ियों को तकनीकी सलाह की जरूरत नहीं होती। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि गौतम गंभीर किसी लेग-स्पिनर या विकेटकीपर को क्रिकेट की बारीकियां कैसे सिखा सकते हैं? उनके अनुसार, यह काम स्कूल या कॉलेज लेवल के कोचों का होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हेड कोच का असली काम खिलाड़ियों के व्यक्तित्व को समझना, उनका मनोबल बढ़ाना और टीम के लिए एक सही माहौल तैयार करना है।

मैनेजमेंट और आत्मविश्वास का खेल

कपिल देव ने जोर देकर कहा कि तकनीक से ज्यादा मैनेजमेंट जरूरी है। एक मैनेजर के तौर पर मुख्य जिम्मेदारी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना और उनमें यह विश्वास जगाना है कि वे मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि युवा खिलाड़ी अपने सीनियर या कोच को देखकर सीखते हैं, इसलिए कोच का व्यवहार प्रेरणादायक होना चाहिए। उनके अनुसार, टीम को हमेशा यह महसूस कराना कि तुम और बेहतर कर सकते हो, एक सफल कोच या कप्तान की सबसे बड़ी निशानी है।

फॉर्म से जूझ रहे खिलाड़ियों का समर्थन

अपनी कप्तानी के दिनों को याद करते हुए कपिल देव ने एक महत्वपूर्ण मंत्र साझा किया। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी शतक बना रहा है, उसे कोच के सहारे की जरूरत नहीं होती। असली जिम्मेदारी उन खिलाड़ियों के साथ समय बिताने की है जो फॉर्म में नहीं हैं और संघर्ष कर रहे हैं। कपिल देव का मानना है कि खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में आत्मविश्वास भरना और उन्हें यह यकीन दिलाना कि वे टीम का अहम हिस्सा हैं, पूरी टीम की सफलता के लिए अनिवार्य है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

निधि अग्रवाल: आठ साल में आठ फिल्में, अब 14 साल बड़े प्रभास संग करेंगी रोमांस

सोशल मीडिया पर अभिनेत्री निधि अग्रवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। ये वायरल वीडियो हैदराबाद में हुए प्रभास और निधि की फिल्म 'द राजा साब' के गाने के लॉन्च इवेंट के बाद का है। निधि इवेंट से निकलकर वापस जा रही थीं, तभी वहां मौजूद भीड़ उन पर इस तरह से टूट पड़ी कि एक्ट्रेस लोगों के बीच में फंस गईं। हालांकि, किसी भी तरह से सिक्योरिटी गार्ड्स ने निधि को उनकी कार तक पहुंचाया। इस वीडियो के सामने आने के बाद अब लोग भीड़ पर नाराजगी जता रहे हैं। 17 अगस्त 1993 को हैदराबाद में जन्मीं निधि अग्रवाल बंगलूरू में पली-बढ़ी हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई भी बंगलूरू से ही की है। हिंदी भाषी मारवाड़ी परिवार में पैदा होने वाली निधि तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा भी बोल लेती हैं और समझ भी लेती हैं। साल 2014 में मिस दीवा यूनिवर्स में हिस्सा लेने वाली निधि अग्रवाल ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2017 में की। निधि ने बॉलीवुड की फिल्म 'मुन्ना माइकल' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। टाइगर श्रॉफ स्टारर इस फिल्म के लिए निधि का चयन 300 कैंडिडेट के ऑडिशन के बाद हुआ था।

प्रभास के साथ द राजा साब में आएंगी नजर

निधि अग्रवाल अब फिल्म 'राजा साब' में नजर आएंगी। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को बड़े स्तर पर बनाया गया है। इस फिल्म में निधि अपने से 14 साल बड़े अभिनेता प्रभास के साथ रोमांस फरमाती नजर आएंगी। 'राजा साब' 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। पहले इस फिल्म को 5 दिसंबर को ही रिलीज होना था, लेकिन अब फिल्म अगले साल रिलीज होगी। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है। निधि अग्रवाल को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। भीड़ में फंसने के बाद निधि अग्रवाल का वीडियो वायरल है। कई लोग इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और वहां मौजूद लोगों के रवैये पर सवाल उठा रहे हैं। तो वहीं सोशल मीडिया पर कई यूजर्स 'द राजा साब' के मेकर्स पर भी सवाल उठा रहे हैं और उनकी व्यवस्था की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस पूरे मामले पर निधि अग्रवाल, प्रभास या फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

धुरंधर में अक्षय खन्ना की अदाकारी पर फिदा हुईं सौम्या टंडन

एक्टर के साथ दोबारा काम करने की जताई इच्छा

फिल्म धुरंधर इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। दर्शक और आलोचक इसकी सराहना कर रहे हैं। फिल्म में सभी कलाकारों के साथ अक्षय खन्ना और सौम्या टंडन की अदाकारी की काफी तारीफ हो रही है। ऐसे में फिल्म में अभिनय करने वाली अभिनेत्री सौम्या टंडन ने एक पोस्ट लिख कर अक्षय खन्ना की तारीफ की है। उन्होंने दोबारा अक्षय खन्ना के साथ काम करने की इच्छा जताई है। धुरंधर में सौम्या टंडन ने अक्षय खन्ना के किरदार रहमान डकैत की पत्नी का रोल निभाया है। अक्षय खन्ना की तारीफ करते हुए सौम्या टंडन ने एक्स पर लिखा अक्षय खन्ना जादूगर हैं। हमें मुश्किल से ही बात करने का मौका मिलता है। लेकिन जब कैमरा सामने होता है, तब एक अलग तरह का संपर्क बन जाता है। मुझे लगता है कि मेरी उनके साथ अच्छी केमिस्ट्री है। उनके जैसे कलाकार के साथ काम करना वाकई एक सपने जैसा है। वह अच्छे आर्टिस्ट हैं। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। उनके जैसे काबिल इंसान के साथ अभिनय करना खुशी की बात है। सौम्या टंडन ने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा मुझे सच में उम्मीद है कि किसी दिन हम फिर से साथ में काम करेंगे। इसके लिए मैं दुआ करती हूं।

बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही धुरंधर

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, सारा अर्जुन और कई दूसरे कलाकार हैं। 5 दिसंबर को फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। खबर लिखे जाने तक इसने बॉक्स ऑफिस पर 443 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

मेट्रो बाजार

2024-25 में भारतीय फार्मा निर्यात में 9 % से अधिक की वृद्धि

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि मजबूत विनिर्माण आधार और बढ़ते वैश्विक विस्तार के कारण भारत का दवा निर्यात 2024-25 में 30.47 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। दवा निर्यात पर एक दिवसीय क्षेत्रीय चिंतन शिविर का उद्घाटन करते हुए वाणिज्य सचिव ने बताया कि भारत का घरेलू दवा बाजार वर्तमान में लगभग 60 अरब डॉलर का है। उन्होंने आगे कहा कि इस क्षेत्र के विशाल आकार, व्यापकता और नवाचार क्षमता को देखते हुए, बाजार के 2030 तक लगभग 130 अरब डॉलर तक होने की उम्मीद है। वाणिज्य सचिव ने रेखांकित किया कि भारत आज मात्रा के हिसाब से विश्व का तीसरा सबसे बड़ा और मूल्य के हिसाब से चौदहवां सबसे बड़ा दवा उत्पादक है, जिसमें 3,000 से अधिक कंपनियां, 10,500 विनिर्माण इकाइयां और 60 चिकित्सीय क्षेत्रों में 60,000 से अधिक जेनेरिक ब्रांड शामिल हैं। भारतीय दवाएं विश्व स्तर पर 200 से अधिक बाजारों तक पहुंचती हैं, जिनमें से 60% से अधिक निर्यात सख्त नियामक व्यवस्था वाले देशों को होता है। भारत के दवा निर्यात में अमेरिका का हिस्सा लगभग 34 प्रतिशत है, जबकि यूरोप का हिस्सा लगभग 19 प्रतिशत है। चिंतन शिविर के दौरान हुई चर्चाओं का मुख्य उद्देश्य निर्यातकों, विशेषकर लघु एवं मध्यम उद्यमों , को भारत के विकसित होते अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं सहयोग ढांचे के प्रति जागरूक करना और औषधि निर्यात से संबंधित नीतिगत, नियामकीय और क्षमता-निर्माण पहलों के बारे में उद्योग जगत की जागरूकता बढ़ाना था।

यूपीआई पेमेंट में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, एक्टिव क्यूआर कोड की संख्या हुई 70.9 करोड़

मुंबई । भारत में डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़ रहा है और अब रोजमर्रा की खरीदारी में खासकर दुकानों पर लोग इसका ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। जुलाई से सितंबर के बीच यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) माध्यम से 59.33 अरब ट्रांजैक्शन हुए, जो पिछले साल के मुकाबले 33.5 प्रतिशत ज्यादा है।

इस अवधि में कुल 74.84 लाख करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ, जो पिछले साल की तुलना में 21 प्रतिशत ज्यादा है। यह वृद्धि देश में डिजिटल पेमेंट्स के तेजी से बढ़ने को दिखाता है। वर्ल्डलाइन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 70.9 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर कोड हो गए हैं। यह संख्या जुलाई, 2024 से अब तक 21 प्रतिशत बढ़ी है। इन क्यूआर कोड्स का इस्तेमाल अब किराना दुकानों, दवाइयों की दुकानों, बस-रेलवे स्टेशनों और गांवों तक पहुंच चुका है। इ इस रिपोर्ट के मुताबिक, यूपीआई का इस्तेमाल अब दुकानों पर भुगतान (पीटूएम- पर्सन टू मर्चेंट) के लिए ज्यादा हो रहा है। दुकानों पर होने वाले लेन-देन में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो कि 37.46 अरब ट्रांजैक्शन तक पहुंच गई है। लोगों के बीच होने वाले लेन-देन (पीटूपी- पर्सन टू पर्सन) में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो कि 21.65 अरब ट्रांजैक्शन तक पहुंच गई है। हालांकि अगर हम एक ट्रांजैक्शन की औसत रकम देखें तो वह घटकर 1,262 रुपए रह गई है, जो पहले 1,363 रुपए थी। इसका मतलब यह है कि लोग अब यूपीआई का ज्यादा इस्तेमाल छोटी-मोटी खरीदारी जैसे खाना, यात्रा, दवाइयां और अन्य रोजमर्रा की चीजों के लिए कर रहे हैं।

न्यूज विंडो

दहीबड़ा खाने से 70 लोग बीमार, बच्चों-बुजुर्गों की बिगड़ी हालत

अनुगुल। ओडिशा के बौध जिले के मनमुण्डा थाना क्षेत्र के गबाजोर गांव में दहीबड़ा खाने के बाद बच्चों समेत 70 से अधिक लोग अचानक बीमार पड़ गए।गांव के साप्ताहिक बाजार में एक स्थानीय विक्रेता से दहीबड़ा खरीदकर खाने के कुछ ही समय बाद लोगों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायत होने लगी।बताया गया कि दहीबड़ा खाने वालों में बड़ी संख्या में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल थे। एक-एक कर लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजन बीमारों को लेकर पहले नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, वहीं कई लोगों को घरों में ही प्राथमिक देखभाल दी गई।सूचना मिलने पर पालसगोड़ा अस्पताल की मेडिकल टीम गांव पहुंची और मौके पर ही मरीजों का उपचार शुरू किया। बीमारों की संख्या अधिक होने पर मनमुण्डा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की अतिरिक्त टीम को भी लगाया गया।कुछ मरीजों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए अन्य अस्पतालों में रेफर किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह मामला खाद्य विषाक्तता का प्रतीत हो रहा है। संदेह है कि दहीबड़ा में इस्तेमाल की गई सामग्री बासी या दूषित थी।

डीडीयू जंक्शन पर बोरे से बरामद हुए 80 कछुए, तस्कर फरार

पीडीडीयू नगर (चंदौली)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से हो रही कछुओं और शराब की तस्करी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। स्टेशन पर 80 कछुए बरामद हुए। बोरे और पिट्ठू बैग में कपड़ों के बीच छिपा कर कछुओं को रखा गया था। जीआरपी की सूचना पर वन विभाग की टीम कछुओं को अपने साथ ले गई। पीडीडीयू जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर गश्त की जा रही थी। इसी क्रम में गुरुवार की दोपहर में प्लेटफार्म संख्या तीन व चार पर चार बोरे और पिट्ठू बैग लावारिस हाल में दिखे।आस-पास के यात्रियों से पूछताछ की गई लेकिन किसी ने बैग के बारे में कुछ नहीं बताया। आशंका होने पर एक बोरा खोलकर देखा तो इसमें कछुए मिले। बैग खोलने पर ऊपर में पहनने वाले कपड़े थे लेकिन अंदर में बोरे में कछुआ मिले।थाने में लाकर गिनती की गई तो चारो बोरे और बैग में 80 कछुए मिले। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना पाकर जीआरपी पहुंची वन विभाग की टीम कछुओं को अपने साथ ले गई। बताया कि वन विभाग के अधिकारी कछुओं को सारनाथ कछुआ सेंचुरी में छोड़ेंगे।

हाथी ने ली एक और ग्रामीण की जान, तीन दिन में तीसरी मौत

कोरबा। हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। देर रात हाथी के हमले में एक और ग्रामीण महेंदा सिंह मंझवार 45 वर्ष की मौत हो गई है। ग्राम गौर बोरा, ग्राम पंचायत अजगर बहार, वन परिक्षेत्र बालको में रात को यह घटना हुई। हेंदा सिंह घर में सो रहा था। इस दौरान जंगल से भटककर आए हाथी ने अचानक घर में घुसकर जमकर उत्पात मचाना शुरू कर दिया। हाथी ने सो रहे महेंदा को कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही विभागीय अमला मौके पर पहुंचा और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। वन विभाग द्वारा क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने के साथ ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की जा रही है।इससे पहले कटघोरा वनमंडल में भी बीते दो दिनों के भीतर हाथी के हमले में दो महिलाओं की मौत हो चुकी है। लगातार हो रही इन घटनाओं से साफ है कि जिले में मानव-हाथी संघर्ष गंभीर रूप ले चुका है। ग्रामीणों में भय का माहौल है। वन विभाग के सामने हाथियों की आवाजाही रोकने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

हार्बिन में शुरू हुआ दुनिया का सबसे बड़ा आइस फेस्टिवल

बीजिंग। सर्दियों के मौसम में स्नो फॉल का आनंद लेना सबसे सुखद अनुभव होता है। भारत में भी कुछ खास जगहों पर सर्दियों के मौसम में बर्फबारी होती है, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक जाते हैं। दुनिया में सर्दियों में अलग-अलग तरह के आइस फेस्टिवल्स का आयोजन किया जाता है। ऐसा ही एक अनोखा आइस फेस्टिवल हर साल चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी हार्बिन शहर में हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड का आयोजन किया जाता है। इस साल इस फेस्टिवल का 27वां संस्करण है, जो आज से शुरू हो गया है। इस साल यह फेस्टिवल 'आइस एंड स्नो, फेयरी टेल वर्ल्ड' थीम पर आधारित है, जिसमें बर्फ और बर्फ की विशाल व जादुई आकृतियाँ और इंटरैक्टिव तकनीक का प्रदर्शन किया जा रहा है।

देशभर में कोहरे से जनजीवन अस्त-व्यस्त

उड़ानों-ट्रेनों के लेट होने का सिलसिला जारी, एक्सप्रेस-वे पर घटी स्पीड लिमिट

नई दिल्ली , एजेंसी

आज सुबह दिल्ली और एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में घना कोहरा छा गया, जिससे विजिबिलिटी काफी कम हो गई और फ्लाइट्स और ट्रांसपोर्टेशन पर असर पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट ने एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि अभी CAT III ऑपरेशन चल रहे हैं, जिससे देरी और रुकावटें हो सकती हैं। इसके अलावा, इंडिगो और एयर इंडिया सहित कई एयरलाइंस ने भी एडवाइजरी जारी कर मौसम की वजह से फ्लाइट ऑपरेशन पर असर पड़ने की चेतावनी दी है।

ट्रेनों पर भी असर: इलाके में घने कोहरे की वजह से कई ट्रेनें लेट चल रही हैं और कुछ कैंसिल हो गई हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है।

अत्यधिक घना कोहरा होने की आशंका

दिल्ली-NCR में कोहरे की वजह से विजिबिलिटी 100 मीटर से कम हो गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें सुबह के समय घने कोहरे का अनुमान लगाया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में घना से अत्यधिक घना कोहरा जारी रहने की संभावना है, जिससे हवाई यातायात पर असर पड़ सकता है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले उड़ान कीस्थिति जरूर जांच लें।

उप्र सरकार ने उठाए सख्त कदम

उत्तर भारत के दूसरे शहरों में भी कोहरे असर दिखाई दिया और उत्तर प्रदेश में अगले दो दिनों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सड़क हादसों को रोका जाए और इसके चलते पूरे राज्य में स्पीड लिमिट लागू कर दी गई है। तय स्पीड लिमिट से ज्यादा तेजी से गाड़ी चलाने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा। यह निर्देश आगामी 15 फरवरी, 2026 तक लागू रहेगा।

न्यूनतम तापमान में कोई बदलाव नहीं

मौसम विभाग के अनुसार, कल कोहरे से एक दिन की राहत के बाद, रविवार और सोमवार को फिर से घने कोहरे का अलर्ट रहेगा। उसने अनुमान लगाया है कि अगले 24 घंटों में उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा और उसके बाद अगले तीन दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और उसके बाद कोई बदलाव नहीं होगा।

मप्र: कल्याणपुर में 3.5 डिग्री पारा, 13 जिलों में कोहरे का अलर्ट!

भोपाल। मध्य प्रदेश में तेजी से ठंड और घना कोहरा देखने को मिल रहा है। इस दौरान कई जगहों पर कोहरे की चादर देखने को मिल रही है। पिछले 24 घंटे की बात की जाए तो प्रदेश के सभी संभाग के जिलों में मौसम शुष्क बना रहा। वहीं भोपाल, इंदौर और शाजापुर जैसा जिलों में शीत लहर का प्रभाव देखा गया। इस दौरान भोपाल संभाग के जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से करीब 3.7 डिग्री तक कम रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री तक कम रहा। न्यूनतम तापमान की बात की जाए तो शहडोल जिले के कल्याणपुर में सीजन की सबसे ठंडी रात देखी गई, जहां पर 3.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। इसके अलावा मंदसौर में 4.4 डिग्री, इंदौर व शाजापुर के गिरवर में 4.5 डिग्री, राजगढ़ में 4.6 डिग्री और नर्मदा पुरम के पचमढ़ी में 5.02 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने प्रदेश के 13 जिलों में मध्यम कोहरे का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के अनुसार, वर्तमान समय में सब ट्रॉपिकल जेट स्ट्रीम हवाएं उत्तर भारत के राज्यों में चल रही है। साथ ही एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ आज से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना बनी हुई है।

पटना-झारखंड सहित 5 हाईकोर्ट को मिलेंगे नए चीफ जस्टिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने हुई बैठक में विभिन्न उच्च न्यायालयों में रिक्त होने वाले मुख्य न्यायाधीशों के पदों को भरने के लिए पांच न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश की है। ये रिक्तियां रिटायरि और ट्रांसफर के चलते उत्पन्न हो रही हैं। कॉलेजियम की सिफारिशों को केंद्र सरकार की मंजूरी मिलना अभी शेष है। कॉलेजियम के निर्णय के अनुसार, इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता को उत्तराखंड हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। यह पद वर्तमान मुख्य न्यायाधीश के 9 जनवरी 2026 को रिटायर होने के बाद रिक्त होगा।

इसके अलावा, बॉम्बे हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस रेवती पी. मोहिते डेरे को मेघालय हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की गई है। यह सिफारिश मेघालय हाईकोर्ट के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश के प्रस्तावित ट्रांसफर के मद्देनजर की गई है।

ब्राउन यूनिवर्सिटी, एमआईटी में गोलीबारी करने वाले शूटर ने खुद को मारी गोली

वाशिंगटन। बीते शनिवार को अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी में फाइनल एग्जाम के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति कैंपस में आया और सभी पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जिसके बाद से हमलावर फरार था। उसको पकड़ने की लगातार कोशिश जारी थी। इस बीच गोलीबारी के संदिग्ध का शव हैम्पशायर के सलेम में एक स्टोरेज यूनिट में मिला है।कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध ने कथित तौर पर खुद को गोली मार ली थी। उसके पास से दो हथियार और घटनास्थल से मिलान करने वाले सबूत बरामद हुए हैं।

13 और 15 दिसंबर की है घटना: बताते चले कि 13 दिसंबर को ब्राउन यूनिवर्सिटी में एग्जाम के दौरान हुए सामूहिक गोलीबारी में दो छात्रों की मौत हुई थी और नौ घायल हुए थे। इसके ठीक दो दिन बाद 15 दिसंबर को बोस्टन के पास ब्रुकलाइन में एमआईटी के प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर के निदेशक प्रोफेसर नूनो लौरेइरो की उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद दोनों घटनाओं के बीच संबंध का पता लगाया।

दोनों घटनाओं के संबंधों की चल रही जांच: जांच करने वाले अधिकारियों का मानना है कि यह संदिग्ध ब्राउन में हुई गोलीबारी और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एक प्रोफेसर की हत्या के लिए जिम्मेदार है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक दोनों गोलीबारी की घटनाओं के बीच संबंध की औपचारिक पुष्टि नहीं की है।

ग्रामीण विकास के क्षेत्र में मॉडल के रूप में उभरेगा प्रदेश

पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री ने पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में बीते दो वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि राज्य सरकार के प्रयासों से ग्रामीण आधारभूत ढांचा, रोजगार, जल संरक्षण, आवास, आजीविका, स्वच्छता और डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुई हैं। ग्रामीण विकास का उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि गांवों को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में प्रदेश ग्रामीण विकास के क्षेत्र में राष्ट्रीय मॉडल के रूप में उभरेगा।

उन्होंने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त करने के लिए 922.20 करोड़ की लागत से 2472 अटल ग्राम सेवा सदन, 106 अटल सुशासन भवन और 5 अटल जिला सुशासन भवन स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा 3755 सामुदायिक भवनों, नर्मदा परिक्रमा पथ पर आश्रय स्थलों, पर्यटन विकास और पौधरोपण कार्यों को भी गति दी गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित विभिन्न योजनाओं में 1250 किलोमीटर से अधिक सड़कों और 323 पुलों का निर्माण किया गया है। नई योजनाओं के तहत 20,600 से अधिक बसाहटों को सड़क नेटवर्क से जोड़ने का कार्य जारी है। महात्मा गांधी नरेगा के तहत SIPRI जैसे वैज्ञानिक सॉफ्टवेयर के माध्यम से कार्यों का पारदर्शी चयन किया गया। वर्ष 2024-25 और 2025-26 में लेबर बजट का 94 से 95 प्रतिशत तक सृजन हुआ। अनुसूचित जनजाति परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने में प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया है।

जल संरक्षण में नई पहचान- जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 3 हजार करोड़ से अधिक के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 86 हजार से अधिक खेत तालाब, 1 लाख से अधिक कूप रिचार्ज और 536 अमृत सरोवर शामिल हैं।

मेट्रो एंकर

कल 68 फोटो जारी हुई थीं, बिल गेट्स समेत 5 हस्तियों के नाम आए

अमेरिका के एपस्टीन सेक्स स्कैंडल में सबसे बड़ा खुलासा आज

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के कुख्यात एपस्टीन सेक्स स्कैंडल से जुड़े मामले का आज सबसे बड़ा खुलासा हो सकता है। एपस्टीन फाइलों के रिलीज होते ही इस स्कैंडल में शामिल लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। माना जा रहा है कि दुनिया के प्रमुख बिजनेसमैन और नेताओं के नाम इन फाइलों में दर्ज हैं। फाइलों में हजारों पेज के दस्तावेज, 95 हजार तस्वीरें और बैंक रिकॉर्ड्स शामिल हैं।

स्कैंडल से जुड़ी 68 नई तस्वीरें गुरुवार देर रात सामने आईं। इन तस्वीरों को गुरुवार देर रात अमेरिकी संसद की हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेट सांसदों ने रिलीज किया।

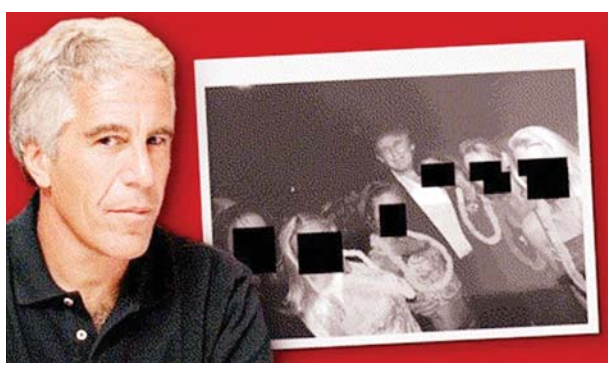

इसमें अरबपति बिल गेट्स, गूगल बनाने वाले सर्गेई ब्रिन, फिल्ममेकर वुडी एलन, फिलॉस्फर नोम चॉम्स्की और ट्रम्प के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन जैसी 5 बड़ी हस्तियां नजर आ रही हैं।

फाइलें जारी करने के बाद सरकार को जनता को कुछ बातें साफ-साफ बतानी होंगी। जैसे कि यह बताना होगा कि दस्तावेजों में कौन-कौन से हिस्से काले किए गए हैं और ऐसा क्यों किया गया। साथ ही यह भी बताना होगा कि किस तरह की सामग्री जनता के सामने रखी गई और किस तरह की सामग्री को जारी नहीं किया गया।

इसके अलावा सरकार को उन सभी सरकारी अधिकारियों और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोगों की पूरी सूची भी देनी होगी, जिनका नाम या किसी भी तरह का जिक्र इन फाइलों में आता है। यह सारी जानकारियां फाइलें जारी होने के 15 दिनों के अंदर सार्वजनिक करना जरूरी होगा।

यह अभी साफ नहीं है कि वास्तव में कौन-कौन से दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएंगे और उनमें से कितना नया होगा। पिछले करीब 20 सालों में एपस्टीन के यौन अपराधों से जुड़े हजारों दस्तावेज पहले ही दीवानी मुकदमों और सूचना के अधिकार जैसी मांगों के जरिए सामने आ चुके हैं।

एपस्टीन मामले से जुड़े बहुत सारे दस्तावेज पहले ही सामने आ चुके हैं। इनमें मैक्सवेल का 2021 का आपराधिक ट्रायल, जस्टिस डिपार्टमेंट की रिपोर्टें और कई दीवानी मुकदमों के कागजात शामिल हैं।इस साल की शुरुआत में जस्टिस डिपार्टमेंट और FBI में ट्रम्प के नियुक्त अधिकारियों ने एपस्टीन से जुड़ी कुछ सीक्रेट फाइलें जारी की थीं, लेकिन उनमें ज्यादातर जानकारी पहले से ही सार्वजनिक थी।

लैंडिंग के दौरान क्रैश हुआ बिजनेस जेट, पूरा परिवार खत्म

वाशिंगटन , एजेंसी

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहां के स्टेट्सविले रीजनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान एक बिजनेस जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस भीषण हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों (पति, पत्नी और दो बच्चे) समेत कुल 5 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

दुर्घटनाग्रस्त विमान की पहचान सेसना 550 सिटेशन ढ्ढ के रूप में हुई है। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा और चश्मदीदों के अनुसार घटनाक्रम कुछ इस प्रकार रहा। विमान ने एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी लेकिन कुछ ही मिनटों बाद वह वापस लौटने लगा। इससे संकेत मिलता है कि उड़ान के दौरान पायलट

को विमान में किसी तकनीकी खराबी का आभास हो गया था। जब विमान स्टेट्सविले एयरपोर्ट पर लैंड करने की कोशिश कर रहा था, तभी वह अनियंत्रित होकर जमीन से टकरा गया और मलबे में तब्दील हो गया। विमान में कुल 6 लोग सवार थे। मृतकों में एक ही परिवार के 4 लोग शामिल हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564